संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी.

■ वर्ष -17 ■ अंक-119 ■ रायपुर, शनिवार 26 सितंबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित ■ CHHHIN/2010/34274 पृष्ठ 8 ■ मूल्य-1.50 रुपये

आज का पंचांग

वारः शनिवार
तिथिः भाद्रपद शुक्ल पूर्णिमा
पक्षः शुक्ल पक्ष
मासः भाद्रपद (शुक्ल पक्ष)
ऋतुः वर्षा ऋतु
विक्रम संवतः 2083
शक संवतः 1948
नक्षत्र, योग और करण
नक्षत्रः पूर्व भाद्रपद
करणः विष्टि
चन्द्र राशिः मीन राशि में
सूर्य राशिः कन्या राशि में
अभिजीत मुहूर्तः दोपहर 12:06 से 12:54 तक।

गणेश पंडाल के पास बेहोश होकर गिरा शख्स, मौत

मुंबई। मुंबई के मशहूर लालबागचा राजा गणेश पंडाल के पास एक व्यक्ति गुरुवार रात अचानक बेहोश होकर गिर गया। आनन-फानन में उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हालांकि व्यक्ति की मौत क्यों हुई है, इसकी जांच की जा रही है। बीते दिनों एक अन्य व्यक्ति की भी मेडिकल इमरजेंसी की वजह से मौत हो गई थी। बता दें कि आज से ही पूरे महाराष्ट्र में गणेश प्रतिमा विसर्जन भी शुरू हो गया है, जिसे लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि मध्य मुंबई में लालबागचा राजा गणेश पंडाल के पास बेहोश होकर गिरने के बाद 68 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि यह घटना गुरुवार रात को हुई। लालबाग इलाके में यह दूसरी मौत है, जहां 12 दिनों तक चलने वाले गणेश उत्सव के दौरान भारी भीड़ उमड़ती है। कालाचौकी पुलिस स्टेशन से मिली जानकारी के आधार पर, नगर निकाय के एक अधिकारी ने बताया कि स्थानीय निवासी विजय आनेकर, लालबागचा राजा पंडाल के पास हनुमान मंदिर के पास बैठे हुए बेहोश हो गए। अधिकारी ने बताया कि आनेकर को परेल के ग्लोबल हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उन्हें "ब्रॉट डेड" (अस्पताल लाने से पहले ही मृत) घोषित कर दिया।

उत्तर प्रदेश का ब्रह्मोस मिसाइल उड़ा रहा पाकिस्तान की नींद : अमित शाह

नई दिल्ली। गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में कहा कि राज्य में बन रही ब्रह्मोस मिसाइलों की वजह से पाकिस्तान की "नींद उड़ी हुई है"। उन्होंने राज्य की बढ़ती डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग क्षमताओं और निवेश के माहौल पर ज़ोर दिया।

ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में UP इंटरनेशनल ट्रेड शो (UPITS) के चौथे एडिशन के उद्घाटन के मौके पर शाह ने कहा कि उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के सभी छह नोड्स झांसी, चित्रकूट, लखनऊ, आगरा, अलीगढ़ और कानपुर में निवेश आ रहा है। लखनऊ में ब्रह्मोस फैसिलिटी का ज़िक्र करते हुए शाह ने कहा आज UP में बनी ब्रह्मोस मिसाइलें पाकिस्तान की नींद उड़ा रही हैं; यह हो रहे बदलाव का एक बड़ा संकेत है। उन्होंने राज्य में डिफेंस प्रोडक्शन के विस्तार के उदाहरण के तौर पर अमेठी में बनी AK-203 असॉल्ट राइफलों का भी ज़िक्र किया। उन्होंने कहा इसी तरह, अमेठी में बनी AK-203 असॉल्ट राइफलें नक्सलियों और आतंकवादियों, दोनों की नींद उड़ा रही हैं।

आयुष्मान भारत योजना के प्रभावी क्रियान्वयन में छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर मिला प्रतिष्ठित सम्मान

'स्वास्थ्य सुरक्षा से जनकल्याण' की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा छत्तीसगढ़ : मुख्यमंत्री साय

रायपुर ■ दैनन्दिनी

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (AB-PMJAY) के प्रभावी क्रियान्वयन और हितग्राहियों को बेहतर स्वास्थ्य सुरक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में छत्तीसगढ़ ने राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। पोर्टेबिलिटी क्लेम्स के समयबद्ध एवं प्रभावी निराकरण में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान किया गया है।

भारत सरकार के राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (NHA) द्वारा आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के आठ वर्ष तथा आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (ABDM) के पांच वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आज विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित "आरोग्य मंथन 2026" में छत्तीसगढ़ को यह सम्मान प्रदान किया गया। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा ने छत्तीसगढ़ को पोर्टेबिलिटी क्लेम्स के निराकरण में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया। छत्तीसगढ़ की ओर से आयुष्मान भारत योजना के राज्य नोडल अधिकारी डॉ. धर्मेंद्र गहवई ने यह पुरस्कार ग्रहण किया।

इस उपलब्धि पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने स्वास्थ्य विभाग की पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि राज्य सरकार का संकल्प है कि प्रदेश के किसी भी पात्र नागरिक को आर्थिक कठिनाई के कारण उपचार से वंचित न होना पड़े। बीमारी के समय परिवार को उपचार के साथ आर्थिक सुरक्षा का भरोसा मिले, इसी उद्देश्य से प्रदेश में आयुष्मान भारत योजना को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आयुष्मान भारत योजना ने देश के करोड़ों जरूरतमंद परिवारों को स्वास्थ्य सुरक्षा का मजबूत भरोसा दिया है। छत्तीसगढ़ में भी इस योजना के माध्यम से पात्र परिवारों को गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने के लिए स्वास्थ्य सेवाओं और प्रशासनिक व्यवस्थाओं को लगातार सुदृढ़ किया जा रहा१ है।

प्रदेश से बाहर भी उपचार की चिंता नहीं, पोर्टेबिलिटी बनी स्वास्थ्य सुरक्षा का मजबूत आधार

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना की पोर्टेबिलिटी सुविधा विशेष रूप से उन नागरिकों के लिए महत्वपूर्ण है, जिन्हें रोजगार, कामकाज अथवा अन्य कारणों से अपने गृह राज्य से बाहर रहना पड़ता है या बेहतर उपचार के लिए दूसरे राज्य जाना पड़ता है। इस व्यवस्था के माध्यम से पात्र हितग्राही देश के अन्य राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में योजना से संबद्ध अस्पतालों में कैशलेस उपचार प्राप्त कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के जो हितग्राही दूसरे राज्यों में उपचार लेते हैं, उन्हें भी योजना का लाभ सहजता से मिले और उनके क्लेम का निराकरण समय पर हो, इसके लिए राज्य सरकार लगातार व्यवस्था को मजबूत कर रही है। पोर्टेबिलिटी क्लेम्स के निराकरण में मिला राष्ट्रीय सम्मान इसी दिशा में किए जा रहे प्रयासों का परिणाम है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर मिली यह उपलब्धि स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों, चिकित्सकों, अस्पतालों और योजना के क्रियान्वयन से जुड़े सभी लोगों के सामूहिक प्रयास का परिणाम है। यह सम्मान हमें स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुलभ, प्रभावी और हितग्राही-केंद्रित बनाने की प्रेरणा देगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि "स्वास्थ्य सुरक्षा से जनकल्याण" के संकल्प के साथ छत्तीसगढ़ आगे बढ़ रहा है। हमारा प्रयास है कि गंभीर बीमारी किसी परिवार के लिए आर्थिक संकट का कारण न बने और जरूरत के समय प्रत्येक पात्र नागरिक को समय पर गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध हो।

क्लेम प्रोसेसिंग और तकनीकी निगरानी पर विशेष ध्यान

प्रदेश में पोर्टेबिलिटी क्लेम्स के समयबद्ध निराकरण के लिए क्लेम प्रोसेसिंग व्यवस्था, तकनीकी निगरानी, संबद्ध अस्पतालों के साथ समन्वय और लंबित प्रकरणों के निराकरण पर लगातार विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्रशासनिक एवं तकनीकी प्रक्रियाओं को इस प्रकार सुदृढ़ किया जा रहा है कि उपचार प्राप्त करने वाले हितग्राहियों को योजना का लाभ लेने में अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

राष्ट्रीय स्तर पर प्राप्त यह सम्मान इस बात को भी रेखांकित करता है कि छत्तीसगढ़ में आयुष्मान भारत योजना के संचालन के लिए विकसित की गई व्यवस्थाएं लाभार्थी-केंद्रित स्वास्थ्य सेवा वितरण को मजबूत करने में प्रभावी भूमिका निभा रही हैं।

हर पात्र परिवार तक पहुंचे आयुष्मान भारत का लाभ : स्वास्थ्य मंत्री

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में छत्तीसगढ़ को मिला राष्ट्रीय सम्मान पूरे प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। यह उपलब्धि प्रदेश में योजना के प्रभावी, पारदर्शी और लाभार्थी-केंद्रित क्रियान्वयन के लिए किए जा रहे सामूहिक प्रयासों को रेखांकित करती है।

श्री जायसवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग का निरंतर प्रयास है कि आयुष्मान भारत योजना का लाभ प्रदेश के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने के साथ उनकी गुणवत्ता को भी लगातार बेहतर कर रही है।

उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि अधिकारियों, कर्मचारियों, चिकित्सकों, अस्पतालों और योजना के क्रियान्वयन से जुड़े सभी हितधारकों के समन्वित प्रयासों का परिणाम है। आने वाले समय में क्लेम प्रोसेसिंग की गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता को और मजबूत किया जाएगा। राज्य सरकार का लक्ष्य प्रत्येक पात्र परिवार को गुणवत्तापूर्ण, निःशुल्क, समयबद्ध और सम्मानजनक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है।

देशभर में पोर्टेबिलिटी से लाखों हितग्राहियों को मिला उपचार

राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के अनुसार आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना देश के सभी 36 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में लागू है। योजना की पोर्टेबिलिटी सुविधा ने लाभार्थियों के लिए राज्य की सीमाओं से परे भी स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

30 जून 2026 तक पोर्टेबिलिटी सुविधा के अंतर्गत देशभर में 29.05 लाख अंतर-राज्यीय अस्पताल प्रवेश अधिकृत किए गए हैं, जिनसे संबंधित अधिकृत राशि 8,383.97 करोड़ रुपये से अधिक है। यह व्यवस्था विशेष रूप से प्रवासी श्रमिकों, रोजगार के लिए दूसरे राज्यों में रहने वाले नागरिकों और गृह राज्य से बाहर उपचार की आवश्यकता वाले परिवारों के लिए उपयोगी साबित हो रही है।

डिजिटल तकनीक से और मजबूत होगा स्वास्थ्य सेवा तंत्र

"आरोग्य मंथन 2026" में स्वास्थ्य आश्वासन और डिजिटल हेल्थ के अगले चरण को लेकर भी विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के स्वास्थ्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

छत्तीसगढ़ में भारी बारिश

सीएम साय ने सभी कलेक्टरों से कहा – अलर्ट रहें आम जनता को नहीं होनी चाहिए कोई परेशानी

रायपुर ■ दैनन्दिनी

प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में हो रही भारी बारिश को देखते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रशासन को पूरी तरह सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने सभी जिला कलेक्टरों को बारिश और संभावित बाढ़ की स्थिति पर लगातार नजर रखने तथा आवश्यकता पड़ने पर तत्काल राहत एवं सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।मुख्यमंत्री साय ने कहा, हमने प्रशासन को पूरी तरह अलर्ट रखा है। सभी कलेक्टरों को निर्देश दिए गए हैं कि भारी बारिश के कारण कहीं भी किसी प्रकार की आवश्यकता उत्पन्न होती है तो तत्काल आवश्यक कदम उठाया जाए। आम जनता को किसी तरह की परेशानी न हो, यह सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से भी भारी बारिश के दौरान विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा कि नागरिक अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा को प्राथमिकता दें तथा प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें।

मुख्यमंत्री ने लोगों से नदी-नालों, जलप्रपातों और उफनते जलस्रोतों के पास नहीं जाने की अपील की है, क्योंकि पानी का बहाव अचानक बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि जलमग्न पुल-पुलियों एवं सड़कों को किसी भी स्थिति में पार करने का प्रयास न करें और जिन स्थानों पर सुरक्षा की दृष्टि से बैरियर लगाए गए हैं, वहां प्रशासन के निर्देशों का अनिवार्य रूप से पालन करें। भारी बारिश के दौरान बिना आवश्यकता यात्रा करने से बचें, विशेषकर रात के समय अतिरिक्त सावधानी रखें। गिरे हुए बिजली के तारों अथवा विद्युत संबंधी किसी खतरे से दूर रहें और इसकी सूचना तत्काल संबंधित विभाग, स्थानीय प्रशासन अथवा पुलिस को दें। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखने तथा उन्हें अकेले बाहर नहीं जाने देने की अपील की। पहाड़ी क्षेत्रों एवं भूस्खलन की आशंका वाले स्थानों पर भी विशेष सतर्कता बरतने को कहा गया है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि किसी भी आपात स्थिति में नागरिक डायल 112 अथवा स्थानीय प्रशासन से तत्काल संपर्क करें। मौसम और राहत संबंधी जानकारी के लिए केवल शासन-प्रशासन एवं अन्य अधिकृत स्रोतों से जारी सूचनाओं पर ही विश्वास करें और अफवाहों अथवा भ्रामक संदेशों को आगे न बढ़ाएं।

'अर्नब' के प्रभाव से बस्तर संभाग में हो रही मूसलाधार बारिश

जगदलपुर ■ एजेंसी

बंगाल की खाड़ी में सक्रिय हुए चक्रवाती तूफान 'अर्नब' के प्रभाव से बस्तर संभाग में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के कारण कई इलाकों में बाढ़ की स्थिति निर्मित हो गई है. बुधवार से जारी भारी बारिश के चलते नदी-नाले उफान पर हैं और कई प्रमुख संपर्क मार्गों पर आवागमन प्रभावित हुआ है. मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश पर बस्तर जिला प्रशासन और आपदा प्रबंधन दल पूरी मुस्तैदी के साथ राहत एवं बचाव कार्यों में जुटे हुए हैं. बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से लोगों को सुरक्षित निकालकर राहत शिविरों में पहुंचाया जा रहा है, जहां उनके भोजन, ठहरने, पेयजल और अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की गई है. बस्तर कलेक्टर आकाश छिकारा के मार्गदर्शन में प्रशासन द्वारा व्यापक स्तर पर राहत और बचाव अभियान चलाया जा रहा है. नगरनार क्षेत्र के नदी बोड़ना में बाढ़ के पानी में फंसे लगभग 40 लोगों को बचाव दल ने नावों की सहायता से सुरक्षित बाहर निकालकर ग्राम पंचायत भवन में बनाए गए अस्थायी राहत शिविर में पहुंचाया.

मणिपुर को 6 महीने के लिए 'अशांत क्षेत्र' घोषित, केंद्र सरकार का फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। केन्द्र सरकार ने अधिनियम (विशेष शक्तियां) सशस्त्र बल 1958)1958 का 28) की धारा दिनांक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए 323.03.2026 की अधिसूचना 1515 के तहत (अ) 5 जिलों के 13 पुलिस स्टेशनों के अधिकार क्षेत्र में आने वाले क्षेत्रों को छोड़कर, संपूर्ण मणिपुर राज्य को दिनांक 01.04.2026 से छः माह की अवधि तक 'अशांत क्षेत्र' घोषित किया था। मणिपुर राज्य में कानून और व्यवस्था की आगे और समीक्षा की गई है। प्रकाशित गजट में कहा गया है कि इस घोषणा को इससे पहले वापस न लिया जाए तब तक इन्हें 'अशांत क्षेत्र' के रूप में घोषित किया जाता है। शुक्रवार को जारी गजट नोटिफिकेशन के अनुसार, केंद्र सरकार ने मणिपुर के साथ ही नागालैंड और अरुणाचल प्रदेश के कुछ खास इलाकों में आर्म्ड फोर्सेज (स्पेशल पावर्स) एक्ट, 1958 (AFSPA) को 1 अक्टूबर से अगले छह महीनों के लिए बढ़ा दिया है।

बालोद भी भीषण सड़क हादसा

डीजे वाहन को ट्रक ने मारी टक्कर, 6 युवकों की मौत, 4 घायल

बालोद ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ के बालोद में शुक्रवार को नेशनल हाइवे-30 पर भीषण सड़क हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई. मरकाटोला घाट के पास डीजे से बंधी पिकअप और ट्रक में भिड़ंत हो गई. टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रक सड़क पर ही पलट गई, जबकि पिकअप बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है. इसी मार्ग पर पिछले महीने मुंबई की बाइक राइडर रिद्धि ठक्कर (24 साल) ने सड़क दुर्घटना में अपनी जान गंवाई थी. जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार को नेशनल हाइवे के मरकाटोला घाटी पर डीजे से बंधी पिकअप खड़ी हुई थी, इस दौरान तेज रफ्तार में आ रही ट्रक ने

टक्कर मार दी. पिकअप में करीब 10 युवक सवार थे. तेज रफ्तार वाहनों की टक्कर में पिकअप सवार युवक और ट्रक चालक गंभीर रूप से घायल हो गए.भीषण हादसे में 2 युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि 3 की इलाज के दौरान मौत हो गई. वहीं अन्य 6 युवकों का इलाज जारी है, उनकी हालत गंभीर बताई जा रहा है. डॉक्टरों की निगरानी में घायलों का इलाज जारी है. सड़क पर वाहनें क्षतिग्रस्त होने से आवागमन बाधित रहा. सूचना पर पुरुर पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची. हादसे के कारणों की जांच की जा रही है. एडिशनल एसपी चन्द्रकान्त गवर्ना ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि सूचना पर पुलिस टीम को घटनास्थल के लिए रवाना किया गया. इस हादसे में 5 युवकों की मौत हुई है. 5 युवक घायल है, जिनका इलाज अस्पताल में जारी है. हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है. मामले में पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है.

गरियाबंद में लगातार बारिश के बीच सिकासार जलाशय 89.32% भरा, 12 गेट 3 फीट तक खोले गए

गरियाबंद ■ दैनन्दिनी

जिले और आसपास के जलग्रहण क्षेत्रों में लगातार हो रही बारिश के बीच प्रमुख जलाशयों में जलस्तर तेजी से बढ़ा है। अधीक्षण अभियंता जल संसाधन संभाग गरियाबंद श्री एस के बर्मन ने बताया कि 25 सितंबर 2026 की स्थिति के अनुसार जिले के सिकासार जलाशय में कुल भंडारण क्षमता 198.82 मिलियन घन मीटर के मुकाबले 179.28 मिलियन घन मीटर पानी संग्रहित है। जलाशय का वर्तमान जलस्तर 1330.00 फीट दर्ज किया गया है, जो 89.32 प्रतिशत जलभराव के बराबर है। जल की बढ़ती आवक को देखते हुए सिकासार जलाशय के 12 गेट खोले गए हैं और प्रत्येक गेट 3 फीट तक खोला गया है। जलाशय से वर्तमान में लगभग 20,000 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है, जबकि जलाशय में 34,000 क्यूसेक पानी की आवक दर्ज की गई है।

अन्य प्रमुख जलाशयों से भी नदियों में छोड़ा जा रहा पानी -

25 सितंबर को सुबह 10 बजे प्राप्त जानकारी के अनुसार क्षेत्र के अन्य प्रमुख जलाशयों में भी जलभराव की स्थिति ऊंची बनी हुई है। गंगरेल जलाशय में जलभराव 99.01 प्रतिशत दर्ज किया गया है और वहां से 1,22,000 क्यूसेक पानी महानदी में छोड़ा जा रहा है।

मुरुमसिल्ली जलाशय में जलभराव 100 प्रतिशत है। यहां से 7,558 क्यूसेक पानी गंगरेल की ओर छोड़ा जा रहा है। दुधावा जलाशय में जलभराव 97.36 प्रतिशत दर्ज किया गया है तथा वहां से 16,762 क्यूसेक पानी गंगरेल/महानदी की ओर छोड़ा जा रहा है।

वहीं सोंढूर जलाशय में जलभराव 89.42 प्रतिशत है और वहां से 42,570 क्यूसेक पानी पैरी/महानदी नदी तंत्र की ओर छोड़ा जा रहा है।

जलाशयों में बढ़े जलस्तर और नदियों में जारी जलप्रवाह को देखते हुए जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से नदियों, नालों, पुल-पुलियों एवं जलाशयों के आसपास अनावश्यक रूप से न जाने की अपील की है। तेज बहाव वाले पानी में न उतरने तथा बच्चों, बुजुर्गों और पशुओं को जलाशय एवं नदी-नालों से दूर रखने की सलाह दी गई है।

निचले एवं तटीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों से सतर्क रहने और आवश्यकता पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की गई है। साथ ही जलभराव वाले क्षेत्रों में आवागमन करते समय वैकल्पिक एवं सुरक्षित मार्ग का उपयोग करने तथा पुल-पुलियों पर पानी होने की स्थिति में वाहन नहीं चलाने की सलाह दी गई है। प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों एवं चेतावनियों का पालन करने तथा किसी भी आपात स्थिति की जानकारी तत्काल जिला प्रशासन अथवा स्थानीय प्रशासन को देने की अपील की गई है।

एल्विश यादव ने ओरी को गिफ्ट की वो कार जिसका सालों से था इंतजार, पुराना वादा किया पूरा

मुंबई (एजेंसी)। सोशल मीडिया की दुनिया और बॉलीवुड के गलियारों में ओरी और एल्विश यादव की दोस्ती अक्सर चर्चा में रहती है। अब दोनों से जुड़ा एक ऐसा पल सामने आया है, जिसने फैंस का ध्यान खींच लिया है। एल्विश ने ओरी को एक नई थार गिफ्ट की है। खास बात यह है कि यह सिर्फ अचानक दिया गया तोहफा नहीं था, बल्कि इसके पीछे दोनों का एक पुराना किस्सा और एल्विश का किया हुआ वादा भी जुड़ा है। नई गाड़ी मिलने के बाद ओरी ने सोशल मीडिया पर इसकी झलक साझा करते हुए अपनी खुशी जाहिर की।

ओरी को मिली नई थार बोले- 'हेलो थार'

ओरी ने अपने फॉलोअर्स के साथ इस सरप्राइज की तस्वीर शेयर की। नई थार की झलक दिखाते हुए उन्होंने मजेदार अंदाज में लिखा, 'बाय बाय जी-वैगन, हेलो थार!! दिस रॉक्स!!' ओरी का यह रिएक्शन बताते है कि उन्हें एल्विश का यह सरप्राइज काफी पसंद आया। आमतौर पर लग्जरी और महंगी गाड़ियों के साथ नजर आने वाले ओरी के लिए थार का यह गिफ्ट खास होने की एक वजह इसका इमोशनल कनेक्शन भी है।

एल्विश ने जो कहा था वो करके दिखाया

दरअसल ओरी और एल्विश की दोस्ती के पीछे एक पुराना वादा भी है। काफी समय पहले एल्विश के पॉडकास्ट में ओरी बतौर गेस्ट पहुंचे थे। उस बातचीत के दौरान ओरी ने अपनी पसंदीदा कारों का जिक्र करते हुए थार को लेकर भी बात की थी। उन्होंने बताया था कि उन्हें थार काफी पसंद है, लेकिन उस समय यह कार आसानी से उपलब्ध नहीं थी। ओरी ने मजाकिया अंदाज में कहा था कि गाड़ी आउट ऑफ शोरूम रहती है और इसे लेने के लिए पहले से बुकिंग करनी पड़ती है। ओरी की बात सुनकर एल्विश ने उनसे वादा किया था कि वह उन्हें थार गिफ्ट करेंगे। उस समय यह बात दोनों की बातचीत का एक मजेदार हिस्सा लगी थी, लेकिन अब एल्विश ने अपने उस वादे को सच में पूरा कर दिया है। यही वजह है कि इस गिफ्ट को सिर्फ एक महंगी कार देने के बजाय दोनों की दोस्ती और पुरानी बातचीत से जुड़ा खास पल माना जा रहा है।

हाथ से लिखे नोट ने बना दिया पल खास

थार के साथ एल्विश ने ओरी के लिए एक हाथ से लिखा हुआ नोट भी भेजा। इस नोट में उन्होंने ओरी को अपने अंदाज में बधाई दी। एल्विश ने लिखा, 'ओरी माय गाइ, खतरों के खिलाड़ी के लिए खूब-खूब बधाई, आपका भाई एल्विश भाई। इस छोटे से मैसेज ने गिफ्ट को और व्यक्तिगत बना दिया। एल्विश के नोट में ओरी के 'खतरों के खिलाड़ी' से जुड़े सफर का भी जिक्र था। इससे साफ है कि थार के सरप्राइज के साथ एल्विश ने अपने दोस्त के लिए शुभकामनाएं भी भेजीं। दोनों के बीच की बॉन्डिंग को देखते हुए यह अंदाज उनके फैंस को भी काफी पसंद आ रहा है।

खतरों के खिलाड़ी के सफर के बीच मिला खास तोहफा

ओरी अपने अलग अंदाज, फैशन और सोशल मीडिया मौजूदगी के कारण लगातार सुर्खियों में रहते हैं। अब उनके 'खतरों के खिलाड़ी' से जुड़े सफर के बीच एल्विश की तरफ से मिला यह तोहफा भी चर्चा में है। गिफ्ट पर ओरी का उत्साह और एल्विश का पुराना वादा पूरा करना दोनों की दोस्ती का एक दिलचस्प पहलू सामने लाता है। ओरी का "बाय-बाय जी-वैगन, हेलो थार" वाला रिएक्शन भी सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान खींच रहा है। जहां एक तरफ यह गिफ्ट दोस्ती के मजेदार अंदाज को दिखाता है, वहीं दूसरी तरफ यह भी बताता है कि कभी बातचीत में किया गया एक छोटा-सा वादा समय के साथ कितना खास बन सकता है।

'वेलकम' फेम एक्टर मुश्ताक खान का निधन, 75 साल की उम्र में कैंसर से हारे जंग

मुंबई (एजेंसी)। फिल्म इंडस्ट्री से दुखद खबर आ रही है। जाने-माने एक्टर मुश्ताक खान ने 75 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कह दिया है। मिली जानकारी के मुताबिक, तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें मुंबई के नानावटी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्हें ICU में रखा गया था और खबर है कि गुरुवार शाम को उन्होंने आखिरी सांस ली। बताया जा रहा है कि मुश्ताक खान कैंसर से जूझ रहे थे। उन्हें करीब 5 साल पहले कैंसर का पता चला था, लेकिन हाल ही में बीमारी दोबारा लौट आई थी। इसके बाद उनकी तबीयत लगातार बिगड़ती जा रही थी। वे पिछले 15 दिनों से अस्पताल में

भर्ती थे। मुश्ताक खान हिंदी सिनेमा में एक जाना-पहचाना चेहरा थे, विशेष रूप से अपने सपोर्टिंग रोल और कॉमिक टाइमिंग के लिए जाने जाते थे। उन्होंने कई दशकों के करियर में फिल्मों, टेलीविजन और मंच पर काम किया। उन्होंने हम हैं राही प्यार के (1993), राजा (1995), गदरः एक प्रेम कथा (2001), जोड़ी नंबर 1 (2001), मुझसे शादी करोगी (2004), वेलकम (2007), वांटेड (2009), ओह माय गॉड! (2012), स्त्री (2018), गदर 2 (2023) और स्त्री 2 (2024) में में अपनी शानदार एक्टिंग से दर्शकों के दिल में खास जगह बनाई थी। मुश्ताक खान का जन्म मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले के बैहर कस्बे में एक मुस्लिम परिवार में हुआ था। एक्टर को 2007 की कॉमेडी फिल्म वेलकम में बल्लू की भूमिका निभाने के लिए सबसे ज्यादा याद किया जाता है, जहां उन्होंने अक्षय कुमार, नाना पाटेकर, अनिल कपूर और परेश रावल के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर किया था।

'मेरी निजी जिंदगी को तमाशा न बनाएं', कोमल रानी संग अफेयर की चर्चाओं पर गोविंदा ने तोड़ी चुप्पी, बोले- हम फेमस हो रहे आपको क्या

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता गोविंदा एक बार फिर अपनी फिल्म 'रूपा' की को-स्टार कोमल रानी स्वर्णकार के साथ अपने रिश्ते को लेकर हो रही चर्चाओं के बीच सामने आए हैं। हाल ही में दोनों को मुंबई के मशहूर लालबागचा राजा पंडाल में एक साथ भगवान गणेश के दर्शन करते हुए देखा गया था। इसके बाद सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें और वीडियो सामने आए और दोनों के रिश्ते को लेकर तरह-तरह की अटकलें लगने लगीं। अब गोविंदा ने इन चर्चाओं पर अपनी प्रतिक्रिया दी है और साफ किया है कि कोमल के साथ उनका रिश्ता पेशेवर है।

गोविंदा ने समाचार एजेंसी एएनआई से बातचीत में लालबागचा राजा जाने की वजह बताई। अभिनेता के मुताबिक, वह अपनी आगामी फिल्म 'रूपा' के लिए भगवान गणेश का आशीर्वाद लेने वहां पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि लंबे समय के बाद वह फिल्मों में दोबारा सक्रिय हो रहे हैं और इसी वजह से उन्होंने अपनी फिल्म की सफलता के लिए प्रार्थना की। गोविंदा ने अपने पुराने अनुभवों का जिक्र करते हुए बताया कि इससे पहले वह करिश्मा कपूर के साथ मंदिरों में दर्शन करने जा चुके हैं और उस समय उनकी फिल्मों को सफलता मिली थी। उन्होंने रवीना टंडन के साथ भी मंदिर जाने की बात कही। अब अपनी फिल्म में वापसी के मौके पर वह कोमल रानी के साथ लालबागचा राजा पहुंचे। अभिनेता ने बताया कि वह काफी समय के बाद दोबारा फिल्मी काम शुरू कर रहे हैं, इसलिए इस प्रोजेक्ट को लेकर वह खास तौर पर भगवान का आशीर्वाद लेना चाहते थे।

लालबागचा राजा में साथ नजर आने के बाद गोविंदा और कोमल रानी के रिश्ते को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चाएं तेज

हो गईं। दोनों को इससे पहले भी कई मौकों पर साथ देखे जाने की खबरें सामने आती रही हैं। हालांकि, दोनों में से किसी ने भी सार्वजनिक तौर पर अपने रिश्ते को रोमांटिक रूप देने की पुष्टि नहीं की है। अब गोविंदा ने इन चर्चाओं पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उनका और कोमल का रिश्ता काम तक सीमित है। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी निजी जिंदगी को सार्वजनिक चर्चा का विषय नहीं बनाया जाना चाहिए। अभिनेता ने अपने बयान में इस बात पर जोर दिया कि वह फिलहाल अपने काम और प्रोफेशनल रिश्ते पर ध्यान दे रहे हैं।

गोविंदा ने बातचीत के दौरान अपने निजी जीवन को लेकर चल रही चर्चाओं पर गंभीर आरोप भी लगाए। अभिनेता ने दावा किया कि उनके बारे में लगातार बनाई जा रही धारणाएं किसी रणनीति का हिस्सा हो सकती हैं। उनके मुताबिक, उन्हें पहले परिवार से दूर करने और फिर समाज में उनकी छवि को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की गई। गोविंदा ने कहा कि आने वाले समय में इस तरह की और चीजें सामने आ सकती हैं।

सेहत

अचानक तेज सिरदर्द को न करें नजरअंदाज, कम उम्र में भी हो सकता है ब्रेन एन्यूरिज्म

सितंबर का महीना ब्रेन एन्यूरिज्म जागरूकता के रूप में मनाया जाता है। बहुत कम लोग इस समस्या के बारे में जानते हैं कि ब्रेन एन्यूरिज्म युवाओं को भी प्रभावित कर सकता है। ब्रेन एन्यूरिज्म उस स्थिति को कहते हैं, जब दिमाग तक खून पहुंचाने वाली रक्त वाहिका की दीवार का कमजोर हिस्सा फूलकर गुब्बारे जैसा हो जाता है।

कई एन्यूरिज्म का पता नहीं चल पाता, क्योंकि उनमें कोई लक्षण नहीं होते और वो सालों तक बिना बदलाव के रह सकते हैं। लेकिन एन्यूरिज्म फटने पर दिमाग के आसपास ब्लीडिंग हो सकती है, जिसे सबरैक्नॉइड हेमरेज कहा जाता है। यह जानलेवा आपातस्थिति बन सकती है।

डायरेक्टर, न्यूरोइंटरवेंशनल सर्जरी, सर एच.एन. रिलायंस फाउंडेशन हॉस्पिटल, मुंबई) कम उम्र के लोगों में ब्रेन एन्यूरिज्म कम होता है, लेकिन यह कम उम्र में भी हो सकता है और लंबे समय तक बिना किसी लक्षण के रह सकता है। कई मामलों में इसका पहला संकेत अचानक एन्यूरिज्म का फटना और मस्तिष्क में रक्तस्राव हो सकता है।

ब्रेन एन्यूरिज्म के लक्षण

ब्रेन एन्यूरिज्म के लक्षण अलग-अलग हो सकते हैं। एन्यूरिज्म फटने पर आमतौर पर अचानक बेहद तेज सिरदर्द होता है, जो कुछ सेकंड या मिनटों में अपनी चरम तीव्रता तक पहुंच जाता है। इसके साथ उल्टी, गर्दन में अकड़न, बेहोशी, दौरे, शरीर

के किसी हिस्से में कमजोरी, बोलने में परेशानी, देखने से जुड़ी समस्या या भ्रम जैसी स्थिति भी हो सकती है।

कुछ मामलों में एन्यूरिज्म फटने से पहले भी लक्षण दिखाई दे सकते हैं। खासकर जब एन्यूरिज्म बड़ा होकर आसपास की नसों पर दबाव डालने लगे। ऐसे में आंख के आसपास लगातार दर्द, दोहरा दिखाई देने लगता है, पलक का झुकना या आंखों की रोशनी और आंखों की गतिविधियों में अचानक बदलाव हो सकता है। इन लक्षणों को कई बार माइग्रेन, आंखों की थकान या लंबे समय तक स्क्रीन देखने से जोड़ दिया जाता है। लेकिन अचानक या असामान्य न्यूरोलॉजिकल लक्षण दिखाई देने पर डॉक्टर से जांच कराना जरूरी है।

उम्र के साथ अन्य जोखिम कारक

ब्रेन एन्यूरिज्म के खतरे को सिर्फ उम्र से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। परिवार में किसी करीबी सदस्य को ब्रेन एन्यूरिज्म रहा हो, कुछ आनुवंशिक बीमारियां, हाई ब्लड प्रेशर और तंबाकू का सेवन जोखिम बढ़ा सकते हैं। जिन लोगों के परिवार में ब्रेन एन्यूरिज्म का इतिहास रहा है, उन्हें डॉक्टर से इसके बारे सलाह लेनी चाहिए। युवाओं को भी नियमित रूप से ब्लड प्रेशर की जांच, शारीरिक गतिविधि बनाए रखने और तंबाकू से दूर रहने की आदत डालनी चाहिए।

डायबिटीज में किस वक्त वॉक करें?

शुगर को लाइफस्टाइल में सुधार कर काफी हद तक कंट्रोल किया जा सकता है। बढ़े हुए ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने के लिए वॉक दवा की तरह काम करती है। डायबिटीज में दवाओं और डाइट के साथ-साथ रोजाना कुछ फिजिकल एक्टिविटी करना भी जरूरी होता है। डॉक्टर वॉक यानी टहलना डायबिटीज के मरीजों के लिए सबसे आसान एक्सरसाइज मानते हैं। इसे किसी भी उम्र के लोग आसानी से लंबे समय तक कर सकते हैं। रोजाना कुछ कदम पैदल चलने से ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर और हार्ट की बीमारियों का खतरा कम होता है।

हालांकि डायबिटीज के मरीज को अपनी बीमारी और मेडिकल कंडीशन के हिसाब से वॉक करनी चाहिए। जानिए शुगर के मरीज को कितना पैदल चलना चाहिए। रोजाना कितने कदम चलने से डायबिटीज के मरीज को फायदा होगा और ब्लड शुगर कम होने लगेगा।

डायबिटीज के रोगियों के लिए वॉक सबसे असरदार व्यायाम है। डायबिटीज में भी आपको नॉर्मल लोगों की तरह ही रोदाना 10 हजार कदम चलने चाहिए। अगर आपको बहुत थकान या कमजोरी रहती है या इतना चलना संभव नहीं है तो आपको रोज 30 मिनट की वॉक तो जरूर करनी ही चाहिए।

डायबिटीज में 1 दिन में करीब 6400 कदम एक इंसान को चलने ही चाहिए। अगर किलोमीटर में देखें तो आपको 3 से 4 किमी तेजी से चलना चाहिए। इससे ब्लड शुगर में तेजी से सुधार आएगा। शुगर के मरीज को सप्ताह में 5 दिन वॉक जरूर करनी चाहिए।

वॉक आप किसी भी वक्त कर सकते हैं, लेकिन डायबिटीज के मरीजों के लिए खाना खाने के बाद टहलना सबसे ज्यादा अच्छा माना जाता है। खासतौर से डिनर के बाद 15 से 30 मिनट की गई हल्की वॉक ब्लड शुगर को तेजी से बढ़ने से रोकती है।

इसलिए खाने के बाद वॉक के लिए कुछ मिनट जरूर निकालें। सुबह खाली पेट वॉक करना भी डायबिटीज में लाभदायक हो सकता है, लेकिन इसमें सावधानी जरूरी है।

अगर आप इंसुलिन लेते हैं या ब्लड शुगर लेवल पहले से ही कम है, तो सुबह की वॉक से पहले हल्का नाश्ता कर लेना चाहिए। **(एजेंसी)**

आंवला ज्यादा फायदेमंद है या फिर नींबू?

आंवला और नींबू, दोनों में ही विटामिन सी समेत कई पोषक तत्वों की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। विटामिन सी की बात की जाए, तो आपकी जानकारी के लिए बता दें कि आंवला में नींबू की तुलना में ज्यादा विटामिन सी मौजूद होता है। आइए पहले आपको आंवला के कुछ हेल्थ बेनिफिट्स और नींबू के कुछ हेल्थ बेनिफिट्स के बारे में बताते हैं।

इस आर्टिकल को पढ़ने के बाद आप समझ जाएंगे कि आपके लिए क्या ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है, आंवला या फिर नींबू...

आंवला के फायदे- आंवला का सेवन करके इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाया जा सकता है। डायबिटीज जैसी साइलेंट किलर बीमारी से जूझ रहे मरीजों के लिए भी आंवला काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है। आंवला में एंटीऑक्सीडेंट गुण भी अच्छी खासी मात्रा में मौजूद होते हैं। सही मात्रा में और सही तरीके से आंवला को अपने डाइट प्लान का हिस्सा बनाएं और अपनी सेहत को फौलाद सा मजबूत बनाएं।

फायदेमंद नींबू- नींबू में मौजूद तमाम पोषक तत्व डाइजेशन और गट हेल्थ के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकते हैं। बॉडी को डिटॉक्स करने के लिए भी नींबू को अपने डाइट प्लान में शामिल किया जा सकता है। शरीर के मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करने के लिए नींबू पानी का सेवन किया जा सकता है।

क्या ज्यादा बेहतर- क्या आप भी यही सोच रहे हैं कि इन दोनों में से ज्यादा फायदेमंद क्या है? अगर हां, तो आपकी जरूरत पर निर्भर करता है कि आपकी सेहत के लिए कौन सा ऑप्शन ज्यादा बेहतर साबित हो सकता है। इम्यूनिटी को बूस्ट करने के लिए आंवला का सेवन किया जा सकता है। लेकिन अगर आप डाइजेशन को सुधारना चाहते हैं या फिर वेट लॉस करना चाहते हैं, तो आपको आंवला और नींबू, दोनों को सही मात्रा में और सही तरीके से कंज्यूम करना शुरू कर देना चाहिए। **(एजेंसी)**

30-40 की उम्र में क्यों फिट दिखने वाली महिलाएं भी हो रही हैं हार्ट अटैक का शिकार?

शारीरिक रूप से एक्टिव रहना, स्वस्थ वजन बनाए रखना और नियमित रूप से एक्सरसाइज करना हार्ट के स्वास्थ्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। आजकल महिलाओं के बीच फिटनेस का गजब का क्रेज देखने को मिल रहा है। फिट रहने के लिए महिलाएं स्ट्रिक्ट डाइट भी फॉलो करती है। लेकिन पिछले कुछ सालों में ये देखने को मिला है कि 30 और 40 साल उम्र की फिट महिलाओं में हार्ट के मामले काफी बढ़े हैं। ऐसे में ये सवाल उठता है कि 30-40 उम्र की महिलाओं में हार्ट अटैक के मामले क्यों बढ़े हैं। डॉ. गोबू पी, सीनियर कंसल्टेंट कार्डियोलॉजी, ग्लेनीगल्स बता रहे हैं कि इसके पीछे की क्या वजह हो सकती है और किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

हृदय रोग को अक्सर बढ़ती उम्र, मोटापा और डायबिटीज से जोड़कर देखा जाता है। जबकि असल में हार्ट अटैक का कारण बनने वाली प्रक्रिया काफी पहले शुरू हो सकती है। हाई कोलेस्ट्रॉल, इंसुलिन रेजिस्टेंस, हाई ब्लड प्रेशर, धूम्रपान और समय से पहले हृदय रोग का पारिवारिक इतिहास ऐसे

कारक हैं जो देखने में स्वस्थ महिलाओं में भी कोरोनरी आर्टरी डिजीज के जोखिम को बढ़ा सकते हैं। महिलाओं में उनके प्रजनन संबंधी इतिहास पर भी ध्यान देना जरूरी है। प्री-एक्लेम्पसिया, गर्भावस्था के दौरान हाई ब्लड प्रेशर और जेस्टेशनल डायबिटीज जैसी स्थितियों को बच्चे के जन्म के बाद नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। ये समस्याएं आगे चलकर हृदय संबंधी बीमारियों को बढ़ा सकती हैं। पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (PCOS) से पीड़ित महिलाओं में भी कुछ मेटाबॉलिक जोखिम कारक जुड़े हो सकते हैं, जिन पर ध्यान देना जरूरी है।

वहीं मेनोपॉज के आसपास होने वाले हार्मोनल बदलाव भी एक कारण हो सकता है। एस्ट्रोजन ब्लड वेसल्स के कामकाज और लिपिड मेटाबॉलिज्म को प्रभावित करता है। मेनोपॉज के दौरान इसके स्तर में कमी आने से कोलेस्ट्रॉल, पेट के आसपास फैट का बढ़ना और हृदय संबंधी अन्य समस्याएं हो सकती है। हालांकि, कम उम्र की महिलाओं में होने वाले हार्ट अटैक को केवल हार्मोनल बदलावों से जोड़ना सही नहीं है। इसके अन्य कारणों का भी पता लगाना जरूरी है। महिलाएं अक्सर यह सोचकर लक्षणों को नजरअंदाज कर देती हैं कि वे अभी बहुत कम उम्र की हैं या काफी फिट हैं, इसलिए उन्हें हृदय की समस्या नहीं हो सकती। हार्ट अटैक हमेशा तेज सीने में दर्द के रूप में सामने नहीं आता। महिलाओं में सीने में दबाव या भारीपन, सांस फूलना, असामान्य थकान, पसीना आना, मितली या पीठ, जबड़े या बांह में दर्द या असहजता जैसे लक्षण हो सकते हैं। इन लक्षणों को केवल गैस, एसिडिटी, चिंता या थकान समझकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। डॉक्टर का कहना है कि हर महिला को अपने ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल और ब्लड ग्लूकोज के लेवल की जानकारी रखनी चाहिए। खासकर तब जब परिवार में किसी को कम उम्र में हृदय रोग का इतिहास रहा हो।

संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक
दैनन्दिनी.

शनिवार 26 सितंबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित

सेन शक्ति सम्मेलन एवं केश शिल्पी सम्मान समारोह 26 को

बिलासपुर । छत्तीसगढ़ राज्य केश शिल्पी कल्याण बोर्ड एवं समाज कल्याण विभाग के तत्वावधान में 26 सितंबर 2026 को सेन शक्ति सम्मेलन एवं केश शिल्पी सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन पं. दीनदयाल उपाध्याय सभागार, बिलासपुर में शाम 4.30 बजे से होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्यमंत्री श्री तोखन साहू होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव करेंगे। विशिष्ट अतिथियों में विधायक सर्वश्री श्री अमर अग्रवाल, श्री धरमलाल कौशिक, श्री धर्मजीत सिंह, श्री सुशांत शुक्ला एवं महापौर श्रीमती पूजा विधानी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी, श्री दीपक सिंह, श्रीमती हर्षिता पांडेय तथा श्री पुनीतराम सिंह सहित सेन समाज एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे। केश शिल्प व्यवसाय में संलग्न लोगों के समग्र कल्याण, आर्थिक सशक्तीकरण और सामाजिक पुनर्वास के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ राज्य केश शिल्पी बोर्ड का गठन किया गया है। बोर्ड की योजनाओं को समाज तक पहुंचाने तथा केश शिल्पियों को सशक्त एवं प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति की अपील की गई है।

अपर कलेक्टर ने फसल भौतिक सत्यापन कार्य का किया निरीक्षण

बिलासपुर । अपर कलेक्टर श्री वीरेंद्र बहादुर पंचभाई ने आज तहसील बिल्हा के ग्राम मोहदा पहुंचकर फसल भौतिक सत्यापन कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने फसल भौतिक सत्यापन ऐप में प्राप्त खसरा नंबरों के आधार पर मौके पर जाकर फसल की स्थिति के सत्यापन तथा संबंधित खसरे का लॉगिट्यूड एवं लैटिट्यूड दर्ज कर डेटा प्रविष्टि की प्रक्रिया का जायजा लिया। अपर कलेक्टर ने मौके पर उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से सत्यापन कार्य की प्रगति की जानकारी ली और निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप कार्य को गुणवत्तापूर्वक एवं समयबद्ध रूप से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने फसल सत्यापन के दौरान मौके की वास्तविक स्थिति के आधार पर सही एवं सटीक जानकारी दर्ज करने पर विशेष ध्यान देने को कहा। निरीक्षण के दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बिल्हा श्रीमती आकांक्षा त्रिपाठी, तहसीलदार, भू-अभिलेख अधीक्षक, नायब तहसीलदार, पटवारी एवं सर्वेयर सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

युवा रत्न सम्मान : 30 अक्टूबर तक जमा होंगे आवेदन

बिलासपुर। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा युवाओं और स्वैच्छिक संगठनों के उत्कृष्ट कार्यों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से "युवा रत्न सम्मान" वर्ष 2026-27 के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। सम्मान के लिए 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं द्वारा सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक, साहसिक, शैक्षणिक, खेल सहित विभिन्न क्षेत्रों में किए गए उल्लेखनीय कार्यों को शामिल किया गया है।

मुख्यमंत्री साय ने 21 विकास कार्यों का किया लोकार्पण एवं शिलान्यास: मदकू में 68.96 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात

सरगांव में खुलेगा ट्रॉमा सेंटर, मदकू द्वीप में बनेगा इको टूरिज्म सेंटर

रायपुर ■ दैनन्दिनी

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज मुंगेली जिले के ग्राम मदकू में 68 करोड़ 96 लाख 96 हजार रुपये की लागत के 21 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास कर क्षेत्रवासियों को बड़ी सौगात दी। इस अवसर पर उन्होंने स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन, बिजली, खेल और जनसुविधाओं के विस्तार से जुड़ी अनेक महत्वपूर्ण घोषणाएं भी कीं। मुख्यमंत्री श्री साय 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत आयोजित 'आंगन मिलन सेवा, रक्तदान एवं निःशुल्क मेगा स्वास्थ्य शिविर' में भी शामिल हुए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी सरकार का संकल्प है कि विकास की गति तेज हो और जनसेवा की पहुंच समाज के अंतिम व्यक्ति तक सुनिश्चित हो। गांवों में अच्छी सड़कें हों, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हों, माताओं और बच्चों को पर्याप्त पोषण मिले और गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों तक शासन की प्रत्येक योजना का लाभ सहजता से पहुंचे। इसी सोच के साथ हमारी सरकार पूरी संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को शासन के केंद्र में रखा है। उनके नेतृत्व में पिछले वर्षों में देश में विकास के साथ जनकल्याण का एक नया अध्याय लिखा गया है। छत्तीसगढ़ में भी हमारी सरकार प्रधानमंत्री जी की इसी भावना को आगे बढ़ाते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि 'सेवा संकल्प अभियान' केवल एक अभियान नहीं, बल्कि जनसेवा के संकल्प को जनभागीदारी से और मजबूत करने का माध्यम है। इसके माध्यम से स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता और जनकल्याण की योजनाओं को जरूरतमंदों तक पहुंचाने के साथ समाज में सेवा और सहयोग की भावना को भी विस्तार मिल रहा है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि सुशासन का वास्तविक अर्थ है कि नागरिक को अपने छोटे-छोटे कार्यों के लिए भटकना न पड़े, उसकी समस्या का समय पर समाधान हो और शासन की योजनाओं का लाभ उसे आसानी से मिले। इसी उद्देश्य से सरकार प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल और पारदर्शी बना रही है। ई-ऑफिस, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 और अटल डिजिटल सेवा केंद्रों जैसी पहलों के माध्यम से शासन को नागरिकों के और करीब लाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जनमन योजना के माध्यम से विशेष पिछड़ी जनजातियों के जीवन में बदलाव लाने का काम हो रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से गरीब परिवारों के पक्के घर का सपना साकार हो रहा है। हमारा स्पष्ट प्रयास है कि पात्रता रखने वाला कोई भी परिवार जानकारी या प्रक्रिया के अभाव में किसी योजना के लाभ से वंचित न रहे।

आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र हमारे बच्चों के पोषण और माताओं के स्वास्थ्य की महत्वपूर्ण आधारशिला हैं।

बाढ़ में फंसी 50 यात्रियों से भरी बस

पुलिस-ग्रामीणों ने रस्सी के सहारे सभी को बाहर निकाला

गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। जिले में लगातार बारिश के बाद नदी-नालों का जलस्तर बढ़ गया है। इसी बीच रायपुर से देवभोग जा रही एक यात्री बस बाढ़ के पानी में फंस गई, जिससे बस में सवार करीब 50 यात्रियों की जान आफत में पड़ गई। घटना सरई भदर के पास की बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक, नेशनल हाईवे बंद होने के कारण बस चालक ने मोहरा होकर देवभोग पहुंचने की कोशिश की थी। इसी दौरान सरई भदर के पास नाले में पानी का बहाव तेज होने के कारण बस बीच रास्ते में फंस गई। बस के बाढ़ में फंसने की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस जवान और ग्रामीण पहुंचे। यात्रियों को सुरक्षित निकालने के लिए रस्सी बांधकर एक-एक कर नदी-नाला पार कराया गया। पुलिस जवानों और ग्रामीणों ने अपनी जान जोखिम में डालकर करीब 50 यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला। घटना के दौरान काफी देर तक मौके पर हड़कंप की स्थिति बनी रही। यात्रियों के सुरक्षित रेस्क्यू के बाद सभी ने राहत की सांस ली। प्रशासन और पुलिस की टीम ने लोगों से बारिश के दौरान नदी-नालों को पार करने में सावधानी बरतने की अपील की है।

सेवा की कहानी : दिव्यांग तोपसिंग को मिली बैटरी चालित ट्रायसायकल

रायपुर ■ दैनन्दिनी

समाज के प्रत्येक वर्ग विशेषकर दिव्यांगजनों को सुलभ और पारदर्शी तरीके से शासकीय योजनाओं से जोड़कर सशक्त बनाने के उद्देश्य से संचालित 'सेवा संकल्प' अभियान दुर्ग जिले में अत्यंत प्रभावकारी सिद्ध हो रहा है। प्रशासनिक तत्परता और त्वरित सेवा वितरण व्यवस्था के माध्यम से जरूरतमंद नागरिकों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के साथ किया जा रहा है। इसी कड़ी में दुर्ग जिले के ग्राम पंचायत करंजा-भिलाई (वार्ड क्रं. 16) निवासी 80 प्रतिशत अस्थि बाधित दिव्यांग तोपसिंग साहू के जीवन में शासन की योजना ने आत्मनिर्भरता की नई किरण जगाई है।

तोपसिंग साहू ने बताया कि वे अपने परिवार के भरण-पोषण के लिए एक छोटा सा पान ठेला संचालित करते हैं। दिव्यांगता के कारण उन्हें अपनी दुकान तक आने-जाने में अत्यधिक कठिनाई का सामना करना पड़ता था और प्रतिदिन दूसरों की सहायता पर निर्भर रहना पड़ता था। सेवा संकल्प की मंशा के अनुरूप जब उन्हें समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित सहायक उपकरण प्रदाय योजना की जानकारी मिली, तो उन्होंने विभाग से संपर्क किया। जिसके बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए उन्हें बैटरी चालित ट्रायसायकल प्रदान की गई। बैटरी चालित ट्रायसायकल मिलने के बाद तोपसिंग साहू की आवागमन संबंधी बड़ी समस्या दूर हो गई है।

अब वे बिना किसी की सहायता के स्वयं ही अपनी दुकान तक आसानी से आ-जा रहे हैं, जिससे उनके समय की बचत हो रही है और व्यापार संचालन में भी सहूलियत आई है।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से रोशन हुआ विजय कुमार भारिया का घर

कोरबा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा संचालित 'पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' आम नागरिकों को स्वच्छ एवं सस्ती ऊर्जा उपलब्ध कराने के साथ-साथ सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा दे रही है।

योजना का लाभ लेकर कोरबा जिले के तानाखार निवासी विजय कुमार भारिया ने अपने घर की बिजली जरूरतों के लिए सौर ऊर्जा को अपनाया है। सोलर पैनल स्थापित होने के बाद उनके परिवार को बिजली बिल के खर्च में उल्लेखनीय राहत मिली है।

विजय कुमार भारिया एक सामान्य परिवार से आते हैं। योजना का लाभ मिलने से पहले प्रत्येक माह आने वाला बिजली बिल उनके पारिवारिक बजट का एक हिस्सा खर्च कर देता था। बिजली की बढ़ती जरूरतों के साथ बिल का भुगतान परिवार के लिए अतिरिक्त आर्थिक बोझ बन रहा था।

इसी दौरान ऊर्जा विभाग एवं छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी द्वारा संचालित जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से उन्हें 'पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' की जानकारी मिली। योजना की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने विभागीय मार्गदर्शन में योजना के अंतर्गत आवेदन किया और अपने घर पर सौर ऊर्जा प्रणाली स्थापित कराई।

घर की छत पर सोलर पैनल स्थापित होने के बाद अब विजय कुमार भारिया के परिवार को अपनी घरेलू बिजली जरूरतों के लिए सौर ऊर्जा का लाभ मिल रहा है। इससे उनके बिजली बिल में उल्लेखनीय कमी आई है और परिवार को नियमित बिजली खर्च में आर्थिक राहत मिली है। सौर ऊर्जा के उपयोग से उन्हें स्वच्छ ऊर्जा को अपनाने का अवसर भी मिला है।

गरियाबंद जिले में अतिवृष्टि को देखते हुए छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन ने की आज विद्यालयों में अवकाश की मांग

गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। जिले में पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही भारी बारिश के चलते कई क्षेत्रों में जलभराव, सड़क मार्गों पर बाधा तथा नदी-नालों में जलस्तर बढ़ने की स्थिति बनी हुई है। लगातार बारिश और खराब मौसम को देखते हुए छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन ने दिनांक 26 सितंबर 2026, शनिवार को जिले के सभी विद्यालयों में अवकाश घोषित करने के संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी श्री राजेश कुमार चंद्राकर से आदेश जारी करने की मांग की है। एसोसिएशन का कहना है कि

अतिवृष्टि की स्थिति में विद्यार्थियों और शिक्षकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। लगातार बारिश के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन प्रभावित हो रहा है तथा कई विद्यार्थी एवं शिक्षक नदी-नालों और जलभराव वाले मार्गों से होकर विद्यालय पहुंचने के लिए मजबूर होते हैं। त्रैमासिक परीक्षा के चलते विद्यार्थी परीक्षा से अनुपस्थित न हो जाएं, इस चिंता में खराब मौसम के बावजूद विद्यालय पहुंचते हैं, जिससे उनकी सुरक्षा को खतरा उत्पन्न हो सकता है। एसोसिएशन ने कहा कि प्राकृतिक आपदा एवं प्रतिकूल मौसम की स्थिति में विद्यालयों में अवकाश का निर्णय समय रहते लिया जाए और आदेश तत्काल सभी विद्यालयों, शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों तक स्पष्ट रूप से प्रसारित किया जाए। इससे विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को अनावश्यक जोखिम उठाकर विद्यालय आने की स्थिति से बचाया जा सकेगा। संगठन ने प्रशासन से मांग की है कि 26 सितंबर 2026 शनिवार को अतिवृष्टि एवं प्रतिकूल मौसम को देखते हुए गरियाबंद जिले के सभी विद्यालयों में अवकाश घोषित करने संबंधी आदेश शीघ्र जारी किया जाए।

राजभाषा आयोग के अध्यक्ष प्रभात मिश्रा ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से की भेंट

बेमेतरा में 26-27 सितंबर को होने वाले प्रांतीय राजभाषा सम्मेलन में शामिल होने का दिया न्योता

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ी भाषा, साहित्य और राजभाषा के विकास को समर्पित दो दिवसीय प्रांतीय राजभाषा सम्मेलन का आयोजन 26 एवं 27 सितंबर को जिला बेमेतरा में किया जाएगा। सम्मेलन में प्रदेशभर के साहित्यकारों, विद्वानों, भाषा विशेषज्ञों और राजभाषा से जुड़े प्रतिनिधियों की सहभागिता होगी। सम्मेलन के माध्यम से छत्तीसगढ़ी भाषा के संरक्षण, संवर्धन और व्यापक प्रचार-प्रसार के साथ प्रदेश की समृद्ध साहित्यिक एवं सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के अध्यक्ष एवं राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त श्री प्रभात मिश्रा ने आज मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से सौजन्य भेंट की। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री साय को बेमेतरा में आयोजित होने वाले प्रांतीय राजभाषा सम्मेलन में शामिल होने के लिए सादर आमंत्रित किया। इस दौरान श्री मिश्रा ने सम्मेलन के उद्देश्यों, आयोजन की तैयारियों और कार्यक्रम की रूपरेखा से मुख्यमंत्री को अवगत कराया।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने प्रांतीय राजभाषा सम्मेलन के आयोजन के लिए श्री प्रभात मिश्रा एवं छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सम्मेलन की सफलता के लिए अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए आयोजन के सफल एवं गरिमामय आयोजन की कामना की।

भाषा, साहित्य और संस्कृति के संरक्षण पर होगा संवाद

बेमेतरा में आयोजित होने वाला यह सम्मेलन छत्तीसगढ़ी भाषा और साहित्य से जुड़े रचनाकारों, साहित्यकारों तथा विद्वानों को एक साझा मंच प्रदान करेगा। सम्मेलन में छत्तीसगढ़ी भाषा के संरक्षण एवं संवर्धन, साहित्य के विकास, राजभाषा के प्रभावी उपयोग तथा नई पीढ़ी में छत्तीसगढ़ी भाषा के प्रति रुचि बढ़ाने जैसे विषयों पर संवाद और विचार-विमर्श होगा। साथ ही प्रदेश की लोक परंपराओं एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण से जुड़े विषयों पर भी विचार साझा किए जाएंगे।

छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान को मिलेगा विस्तार

छत्तीसगढ़ी भाषा प्रदेश की लोक संस्कृति, परंपराओं, लोकगीतों, लोककथाओं और जनजीवन की अभिव्यक्ति का महत्वपूर्ण माध्यम है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से छत्तीसगढ़ी भाषा और साहित्य को नई पीढ़ी से जोड़ने तथा इसके व्यापक प्रचार-प्रसार को गति देने का अवसर मिलता है। सम्मेलन में छत्तीसगढ़ की माटी, भाषा और संस्कृति की विशिष्ट पहचान को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में भी विचार-विमर्श किया जाएगा।

प्रदेशभर से साहित्यकार और भाषा प्रेमी होंगे शामिल

दो दिवसीय प्रांतीय राजभाषा सम्मेलन में प्रदेश के विभिन्न जिलों से साहित्यकार, लेखक, कवि, विद्वान, भाषा प्रेमी और राजभाषा से जुड़े प्रतिनिधि शामिल होंगे। सम्मेलन के माध्यम से छत्तीसगढ़ी भाषा एवं साहित्य के क्षेत्र में कार्य कर रहे रचनाकारों और संस्थाओं के बीच संवाद एवं समन्वय को बढ़ावा देने का प्रयास किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग द्वारा आयोजित यह सम्मेलन भाषा और साहित्य के क्षेत्र में सक्रिय लोगों के लिए विचारों के आदान-प्रदान का महत्वपूर्ण मंच बनेगा। सम्मेलन के माध्यम से छत्तीसगढ़ी भाषा, साहित्य और संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन से जुड़े प्रयासों को नई दिशा और गति मिलने की उम्मीद है। साथ ही प्रदेश की माटी, भाषा और संस्कृति के गौरव को आगे बढ़ाने के लिए सामूहिक सहभागिता को प्रोत्साहन मिलेगा।

स्मृति ईरानी के छत्तीसगढ़ प्रभारी बनने पर महिला मोर्चा ने जताई खुशी

विभा अवस्थी और बिंदु सिन्हा ने दी बधाई, कहा—संगठन को मिलेगा राष्ट्रीय अनुभव का लाभ

गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी ने पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं राष्ट्रीय महामंत्री स्मृति ईरानी को छत्तीसगढ़ भाजपा का प्रदेश प्रभारी नियुक्त किया है। उनके साथ सिद्धार्थ शंभू को प्रदेश का सह-प्रभारी बनाए जाने पर भाजपा कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों में उत्साह का माहौल है। भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष विभा अवस्थी एवं गरियाबंद जिला अध्यक्ष बिंदु सिन्हा ने स्मृति ईरानी को नई जिम्मेदारी के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष विभा अवस्थी ने कहा कि स्मृति ईरानी को छत्तीसगढ़ जैसे महत्वपूर्ण राज्य की संगठनात्मक जिम्मेदारी मिलना कार्यकर्ताओं के लिए उत्साह का विषय है। उन्होंने कहा कि स्मृति ईरानी लंबे समय से राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी के संगठनात्मक कार्यों से जुड़ी रही हैं और केंद्र सरकार में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां भी संभाल चुकी हैं।

ऐसे में उनके अनुभव और संगठनात्मक समझ का लाभ प्रदेश भाजपा को मिलेगा।

उन्होंने कहा कि भाजपा का संगठन कार्यकर्ता आधारित संगठन है और इसकी मजबूती बूथ स्तर पर सक्रिय कार्यकर्ताओं से होती है। उन्होंने कहा कि प्रदेश प्रभारी के मार्गदर्शन में संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक सक्रिय एवं मजबूत बनाने की दिशा में कार्य को गति मिलने की उम्मीद है। कार्यकर्ताओं के साथ बेहतर संवाद, संगठनात्मक कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन और विभिन्न मोर्चों की सक्रियता बढ़ाने में भी नई ऊर्जा आने की संभावना है।

उन्होंने यह भी कहा कि महिला शक्ति भाजपा के संगठन की महत्वपूर्ण कड़ी है। महिला मोर्चा द्वारा प्रदेशभर में महिलाओं को संगठन से जोड़ने, केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाने तथा पार्टी के कार्यक्रमों में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है। स्मृति ईरानी के अनुभव से महिला कार्यकर्ताओं को भी संगठनात्मक रूप से आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा।

इसी प्रकार भाजपा महिला मोर्चा गरियाबंद जिला अध्यक्ष बिंदु सिन्हा ने कहा कि स्मृति ईरानी को प्रदेश प्रभारी बनाए जाने से छत्तीसगढ़ भाजपा के कार्यकर्ताओं में उत्साह बढ़ा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर लंबे समय तक सक्रिय रहने वाली स्मृति ईरानी का अनुभव प्रदेश संगठन के लिए उपयोगी साबित होगा। उनके मार्गदर्शन में संगठनात्मक गतिविधियों को नई गति मिलने और कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय को और मजबूत करने की उम्मीद है।

बिंदु सिन्हा ने कहा कि गरियाबंद जिले में भी महिला मोर्चा संगठन को मजबूत करने के लिए लगातार सक्रिय है।

:- संपादकीय :-

कंपनियों के लिए नई चुनौती

रूटो की आम छवि अमेरिका समर्थक की है, लेकिन हाल में उन्होंने चीन से संबंध मजबूत किए हैं। चीन का पहलू अफ्रीका में निवेश करने वाली भारतीय कंपनियों के लिए नई चुनौती बन कर उभरा है।बढ़ते राजनीतिक विरोध की चुनौती झेल रहे केन्या के राष्ट्रपति विलियम रूटो का भारतीय कंपनी-टाटा केमिकल्स मगाडी को देश से निकालने का फैसला विवादास्पद है। समझा जाता है कि केन्या में विदेशी निवेशकों के प्रति फैल रही भावना को शांत करने के लिए उन्होंने यह कदम उठाया है। बहरहाल, यह निर्णय टाटा ग्रुप की अंतरराष्ट्रीय छवि के लिए तगड़ा झटका है। इससे विदेशों में निवेश कर रही हर भारतीय कंपनी को उचित सबक लेना चाहिए। केन्या के स्थानीय समुदायों में टाटा कंपनी के खिलाफ लंबे समय से असंतोष पनप रहा था। शिकायत थी कि लेक मगाडी के समृद्ध सोडा ऐश संसाधनों का इस्तेमाल तो खूब हुआ, लेकिन बुनियादी ढांचे या रोजगार के रूप में उस क्षेत्र को कोई लाभ नहीं हुआ। अब रूटो ने वादा किया है कि वे वहां ऐसी विदेशी कंपनी को ठेका देंगे, तो स्थानीय विकास के लिए भी निवेश करे।चर्चा है कि ये ठेके चीनी कंपनियों को दिए जाएंगे। रूटो की आम छवि अमेरिका समर्थक नेता की है, लेकिन हाल में उन्होंने चीन से संबंध मजबूत किए हैं। चीन का पहलू अफ्रीका में निवेश करने वाली भारतीय कंपनियों के लिए नई चुनौती बन कर उभरा है। जिस ढंग से टाटा कंपनी को निकालने का फैसला हुआ, वैसे कदमों से सामान्यतः सभी विदेशी निवेशकों में नकारात्मक प्रतिक्रिया होती है। लेकिन चीनी कंपनियां अक्सर जोखिम उठाते हुए ऐसे हालात का लाभ उठाने की कोशिश करती हैं।साथ ही इस घटना ने उजागर किया है कि अफ्रीका में आई नई जन चेतना के बीच वहां कार्यरत बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए केवल कानून का पालन ही काफी नहीं रह गया है। बल्कि अब चुनौती स्थानीय समुदायों को संतुष्ट रखते हुए अपनी परियोजनाओं को आगे बढ़ाने की है। इस सिलसिले में पर्यावरण संरक्षण एक महत्त्वपूर्ण मुद्दा बन कर उभरा है। गुजरे डेढ़ दशक में अडानी ग्रुप, रिलायंस, जीएमआर, जिंदल, एस्सार आदि जैसी भारतीय कंपनियों को या तो कुछ देशों से निकाला गया है, या वहां उनके साथ हुए करार बाद में रद्द कर दिए गए। ऐसी घटनाओं से देश की छवि बिगड़ती है। भारतीय कंपनियों को इस बात ख्याल रखना चाहिए।

चितंन शिविर में अपने मंत्रियों के साथ पीएम मोदी कर रहे 'महामंथन'!

नीरज कुमार दुबे

वैसे, इस प्रकार की कवायद का यह पहला मौका नहीं है। 21 अक्टूबर 2021 को भी ऐसा ही अभ्यास हुआ था, जिसमें शासन और नीति निर्माण पर चर्चा हुई थी। हम आपको यह भी बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी ने मंत्रियों को मंत्रालयों के कामकाज के लाइव डैशबोर्ड रखने, योजनाओं की नियमित समीक्षा करने और कर्मचारियों से सीधे बातचीत कर फीडबैक लेने के निर्देश दिए गए हैं। यहां तक कि मंत्रालयों और विभागों की सरकारी वेबसाइटों को आम लोगों के लिए अधिक सरल और उपयोगी बनाने पर भी जोर दिया गया है।देखा जाये तो राजनीति में जनता से जुड़ने की बात करना आसान है, लेकिन उसे सरकार के कामकाज में उतारना मुश्किल होता है। मोदी सरकार के इस चिंतन शिविर का मकसद भी यही है कि जनता की जरूरतों को समझा जाए, सरकार के कामकाज की समीक्षा की जाए और यह देखा जाए कि लोगों तक योजनाओं और सुविधाओं का फायदा कितनी तेजी से पहुंच रहा है। आखिरकार चुनावी नारों से ज्यादा असर उस काम का होता है जो गांव, कस्बे और शहर के आम आदमी की जिंदगी में दिखाई दे। सरकारी योजना का लाभ समय पर मिले, प्रक्रिया आसान हो, शिकायत सुनी जाए और मंत्रालयों की खींचतान का खामियाजा जनता को न भुगतना पड़े, यही वह जमीन है जहां किसी भी सरकार की असली परीक्षा होती है।

पहले दिन चार घंटे से ज्यादा चली बैठक में शासन व्यवस्था, सुधारों, जनकल्याणकारी योजनाओं की पहुंच, महिलाओं और युवाओं तक सरकारी योजनाओं की जानकारी और लाभ पहुंचाने जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। मंत्रियों को आठ समूहों में बांटा गया और प्रधानमंत्री ने हर समूह के साथ अलग-अलग संवाद किया।सरकार चलाना सिर्फ फैसले लेने का नाम नहीं है, असली परीक्षा यह है कि फैसला जमीन पर कितनी तेजी से उतरता है और उसका फायदा आखिरी कतार में खड़े आदमी तक कितनी आसानी से पहुंचता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में बुधवार से शुरू हुआ दो दिवसीय चिंतन शिविर इसी कसौटी पर सरकार के कामकाज को परखने की कवायद है। सरकार के तीसरे कार्यकाल के करीब आधे पड़ाव पर पहुंचे इस मंथन में सवाल सीधा है कि अब तक क्या हुआ, कहां कमी रह गई और अगले पड़ाव में क्या करना है?पहले दिन चार घंटे से ज्यादा चली बैठक में शासन व्यवस्था, सुधारों, जनकल्याणकारी योजनाओं की पहुंच, महिलाओं और युवाओं तक सरकारी योजनाओं की जानकारी और लाभ पहुंचाने जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। मंत्रियों को आठ समूहों में बांटा गया और प्रधानमंत्री ने हर समूह के साथ अलग-अलग संवाद किया। यानी मामला सिर्फ भाषण का नहीं, सीधे फीडबैक का भी था। मंत्रियों से जानकारी ली गई, अनुभव सुने गए और आगे की दिशा को लेकर सुझाव दिए गए।

मोदी की राजनीति और शासन शैली में एक बात लगातार दिखाई देती है कि दिल्ली में बैठकर सिर्फ फाइलें देखने की बजाय जनता की परेशानी को समझा जाता है और प्रशासन को उसके हिसाब से ढाला जाता है। यही वजह है कि इस चिंतन शिविर में भी जोर सिर्फ नई योजनाएं बनाने पर नहीं, बल्कि मौजूदा योजनाओं की डिलीवरी को बेहतर करने पर है। सरकारी मशीनरी में तालमेल बढ़े, मंत्रालय एक-दूसरे से कटकर काम न करें और लाभार्थी को एक दफ्तर से दूसरे दफ्तर के चक्कर न लगाने पड़ें, यह सोच बैठक के केंद्र में दिखाई देती है। राजनीतिकखबरें पढ़ें

साथ ही जन विश्वास से जन आधार का विचार इसी राजनीतिक भाषा को प्रशासनिक जमीन देने की कोशिश है। मोदी सरकार की प्राथमिकता स्पष्ट है। सरकार सुधार, सुशासन, जीवन को आसान बनाना, अनावश्यक अनुपालन घटाना और सार्वजनिक सेवाओं को ज्यादा प्रभावी बनाने पर जोर दे रही है। प्रधानमंत्री मोदी पहले भी मंत्रियों को यह संदेश देते रहे हैं कि सरकार का पहला काम जनता की समस्याओं का समाधान और जीवन को आसान बनाना होना चाहिए।इस मंथन का दूसरा बड़ा पहलू है 'विकसित भारत 2047'। इसकी तैयारी वर्ष 2021 से चल रही है। दस सचिव समूहों को अलग-अलग क्षेत्रों के लिए अल्पकालीन और दीर्घकालीन योजनाओं का खाका तैयार करने की जिम्मेदारी दी गई थी। विभिन्न क्षेत्रों के हितधारकों से व्यापक विचार-विमर्श हुआ और मंत्रिपरिषद के सामने अब तक आठ दौर की प्रस्तुतियां और चर्चाएं हो चुकी हैं।

मौजूदा चिंतन शिविर उसी लंबी प्रक्रिया को आगे बढ़ा रहा है।इस बार सचिवों के समूहों, मंत्रालयों, विभागों, मंत्रिमंडल सचिवालय और नीति आयोग के काम को एक साथ देखने की कोशिश हो रही है। देखा जाये तो सरकार में काम बहुत हो रहा हो, लेकिन अगर एक मंत्रालय की योजना दूसरे मंत्रालय की कार्यप्रणाली से टकरा जाए तो जनता को फायदा नहीं मिलेगा। इसलिए अंतर-मंत्रालयी समन्वय, योजनाओं की प्रगति, नीति लागू करने की गति, समय प्रबंधन और सरकारी सेवाओं की पहुंच को खास महत्व दिया गया है। प्रवासीनेटवर्क जुड़ेंआर्थिक मोर्चा भी इस मंथन से अलग नहीं है। मोदी सरकार विकास की रफ्तार बनाए रखने, घरेलू मांग और निवेश को गति देने तथा वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में आने वाले झटकों से अर्थव्यवस्था को बचाने की रणनीति पर भी विचार कर रही है। वैश्विक व्यापार की अनिश्चितता, भू-राजनीतिक तनाव और ऊर्जा कीमतों के जोखिम के बीच दीर्घकालीन लक्ष्य और तत्काल आर्थिक जरूरतों के बीच संतुलन बनाना बड़ी चुनौती है।यह बैठक इसलिए भी राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि सरकार अपने तीसरे कार्यकाल के मध्य चरण में है। आने वाले समय में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, मणिपुर, गोवा, हिमाचल प्रदेश और गुजरात जैसे राज्यों के विधानसभा चुनाव हैं और वर्ष 2029 का लोकसभा चुनाव भी सामने है। ऐसे में सरकार के सामने विकास योजनाओं को गति देने और उनके असर को जनता तक पहुंचाने की दोहरी चुनौती है।

उधर, विपक्ष ने इसे लेकर सवाल उठाए हैं और कांग्रेस ने ह्यचिंतन बैठक को चिंता बैठक कहकर निशाना साधा है। लेकिन मोदी सरकार का तर्क और इस बैठक की संरचना एक अलग तस्वीर पेश करती है। यह स्पष्ट दिख रहा है कि मोदी सरकार अपने काम का हिसाब भीतर से लेने, कमियां पहचानने और आगे की प्राथमिकताएं तय करने की कोशिश कर रही है।

राशिफल

मेष राशिः मेष राशि वालों आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। अगर आप एक स्टूडेंट हैं तो आपके लिए एक खुशखबरी यह है कि आज आपको करियर से रिलेटेड कोई शुभ सूचना मिल सकती है। कॉलेज में आपकी एक्टिविटी से आपके दोस्त खुश होंगे। आज आप किसी ऐसे व्यक्ति से मिलेंगे, जिससे आप काफी प्रभावित होंगे।

वृष राशिः वृष राशि वालों आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज आपको काम को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी नहीं तो आपका काम अधूरा रह सकता है। जो लोग आपको अभी तक ताना दे रहे थे आज उनको कुछ कर दिखाने का दिन है, आप जिस भी काम को करेंगे उसमें आपको सफलता जरूर मिलेगी।

मिथुन राशिः मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। जो लोग होटल या रेस्टोरेंट जैसे बिजनेस से जुड़े हैं, उनके लिए दिन पहले से बेहतर रहेगा, आज आपका दिन ज्यादा लाभ दिलाने वाला है। आज आपको जीवन और कार्यक्षेत्र दोनों जगहों पर पिता का सहयोग मिलेगा। आज आपके पारिवारिक रिश्तों में मिठास बनी रहेगी। आज आप किसी जरूरतमंद की मदद करेंगे।

कर्क राशिः कर्क राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपको व्यापार में उम्मीद से अधिक लाभ प्राप्त होगा। आज आप अपने जीवन को और बेहतर बनाने के लिए कोशिश करेंगे। आज आपके घर पर कुछ मेहमान आ सकते हैं, आपको खुशी होगी।

सिंह राशिः सिंह राशि वालों आज का दिन आपके जीवन में नई खुशियां लेकर आया है। आज किसी काम के सिलसिले से की गई यात्रा फायदेमंद रहेगी। साथ ही समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। परिवार में किसी रिश्तेदार के आगमन से घर में खुशी का माहौल बनेगा, आपकी मुलाकात कुछ खास लोगों से होगी। आप अपने लक्ष्य को जल्द से जल्द पूरा करने के बारे में विचार करेंगे।

कन्या राशिः कन्या राशि वालों आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। आज का दिन आपके फेवर में रहने से आपको खुशी होगी, जिस काम का रिजल्ट मिलने में देर हो रही थी उसमें आपको सफलता मिलने के योग हैं। आज अपनी संतान को खुश देखकर आपको भी खुशी होगी। आज आप घर के बड़े-बुजुर्गों का खास ख्याल रखेंगे, आपको भी अच्छा लगेगा।

तुला राशिः तुला राशि वालों आज आपका दिन खुशनुमा रहेगा। बिजनेस कर रहे लोगों की बिक्री आज बढ़ेगी, अधिक आमदनी होगी। सरकारी जॉब कर रहे लोगों के लिए आज का दिन बेहद अच्छा रहेगा, प्रमोशन होने के चांस हैं। बिजनेस के सारे रुके हुए कामों को आज आप पूरा कर लेंगे, आपकी उलझन कम होगी।

वृश्चिक राशिः वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। बिजनेसमैन आज अपने बिजनेस को और आगे बढ़ाने के लिए किसी दूसरे बड़े व्यापारी से डील फाइनल करेंगे। राजनीति में आज आप ज्यादा रुचि लेंगे, आपके अच्छे कामों की आज तारीफ होगी। सोशल मीडिया से जुड़कर लोग अपनी अलग पहचान बनाएंगे।

धनु राशिः धनु राशि वालों आज आपका दिन खुशहाल रहने वाला है। आज आपको कोई अच्छी खबर मिलने के योग हैं, यह खुशी आपके घर में बेटे के करियर को लेकर हो सकती है। आज ऑफिस में आपको कोई नया काम मिल सकता है, जिसे पूरा करके आपको भी खुशी होगी।

मकर राशिः मकर राशि वालों आज का दिन आपके लिए नई उमंग से भरा रहने वाला है। आज आपको किसी व्यक्ति से बातचीत करके खुशी मिलेगी, साथ ही आप कुछ नया भी सीखने को पाएंगे। आज आप कोशिश करेंगे कि आपका व्यवहार सभी के प्रति अच्छा हो और किसी की भावनाओं को भी ठेस न पहुंचे।

कुंभ राशिः कुंभ राशि वालों आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है।आज अचानक धन लाभ होने के योग बने हुए हैं, इससे आपको आर्थिक सपोर्ट मिलेगा, साथ ही आप कुछ नया खरीदने का विचार करेंगे।

मीन राशिःमीन राशि वालों आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज आप ऑफिस में किसी काम को आसानी से करेंगे, जिससे आपके जूनियर और सीनियर सभी तारीफ करेंगे, आपका कॉन्फिडेंस बढ़ेगा साथ ही आपकी रेस्पेक्ट में भी इजाफा होगा। आज किसी काम में जीवनसाथी का सहयोग मिलने से आपको खुशी होगी, शाम को किसी रेस्टोरेंट में डिनर के लिए जा सकते हैं।

सू- दोकू क्र.170

9		8		1		7		
4		6			7		5	
	3			6		8		9
		3			1		6	
5			6			9		
		9		5			3	
3			7		9			1
	5			2		3	9	
1		4			8		7	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.169 का हल

7	5	6	4	1	2	8	3	9
3	4	8	6	7	9	2	1	5
1	2	9	5	3	8	7	4	6
2	8	1	9	5	6	4	7	3
6	9	7	2	4	3	5	8	1
5	3	4	7	8	1	9	6	2
8	7	2	1	6	5	3	9	4
4	6	5	3	9	7	1	2	8
9	1	3	8	2	4	6	5	7

नजरिया | कमलेश पांडे ।

अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस मनाने वाले दुनिया भर में फैलाते जा रहे हैं अशांति! यह एक गंभीर आत्मचिंतन का अवसर?

तकनीकी प्रगति और डिजिटल अशांतिः आधुनिक दौर की अशांति केवल युद्ध के मैदान तक सीमित नहीं है। सोशल मीडिया, फेक न्यूज, और नफरत भरे भाषणों ने आम लोगों के दिलों-दिमाग में अशांति पैदा कर दी है। डिजिटल मीडिया का इस्तेमाल समाज को जोड़ने के बजाय ध्रुवीकरण और नफरत फैलाने के लिए हो रहा है।

प्रतिवर्ष 21 सितंबर को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस केवल एक तारीख या रस्म नहीं है, बल्कि दुनिया भर में पसरती अशांति के बीच एक गंभीर आत्मचिंतन का अवसर है। ऐसे समय में जब संघर्ष, वैमनस्यता और अशांति हर ओर पैर पसार रहे हैं, इस दिन का महत्व और भी अधिक बढ़ जाता है। अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस पर हर तरफ फैलती अशांति के मुख्य मायने इस प्रकार हैं:-जिस दौर में शांति दिवस मनाया जा रहा है, उसी दौर में दुनिया के विभिन्न हिस्सों में युद्ध, नस्लीय हिंसा और भू-राजनीतिक तनाव चरम पर हैं। संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतर्राष्ट्रीय संगठन, जिनका मुख्य उद्देश्य दुनिया को युद्ध से बचाना था, संघर्षों को रोकने में कमजोर साबित हो रहे हैं। यह अशांति दशार्ती है कि शांति स्थापित करने के पारंपरिक

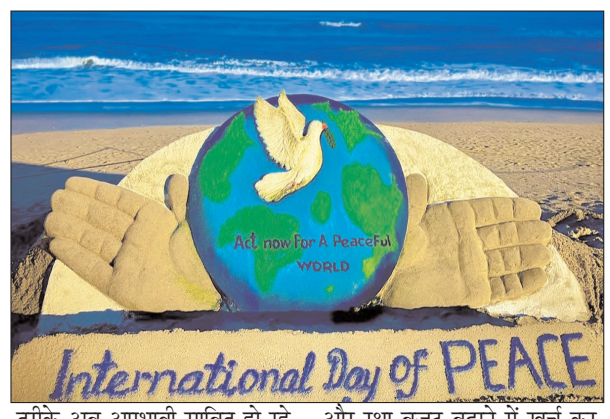

तरीके अब अप्रभावी साबित हो रहे हैं। छुट्टियांव मौसमी आयोजनदो, नकारात्मक शांति बनाम सकारात्मक शांतिः अशांति का फैलना हमें यह याद दिलाता है कि केवल युद्ध का न होना ही शांति नहीं है। अप्रत्यक्ष/छिपी हुई अशांति- जब तक आर्थिक असमानता, सामाजिक भेदभाव, भुखमरी, और अन्याय मौजूद हैं, तब तक समाज में एक 'अदृश्य अशांति' बनी रहती है। यह दिवस इस बात पर बल देता है कि वास्तविक शांति केवल हथियारों को रोकने से नहीं, बल्कि समाज में न्याय, समानता और मानवाधिकारों की रक्षा से आएगी।तीन, मानव कल्याण से ज्यादा रक्षा बजट को प्राथमिकता-दुनिया भर के देश हर साल खरबों डॉलर हथियार खरीदने और रक्षा बजट बढ़ाने में खर्च कर रहे हैं, जबकि भुखमरी, जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी चिंताओं के लिए संसाधनों की कमी बताई जाती है। बढ़ती अशांति यह स्पष्ट करती है कि मानवता ने अपनी प्राथमिकताएं गलत तय कर ली हैं–हम सुरक्षा के नाम पर विनाश की तैयारी में अधिक निवेश कर रहे हैं। सेनाचार, तकनीकी प्रगति और डिजिटल अशांतिः आधुनिक दौर की अशांति केवल युद्ध के मैदान तक सीमित नहीं है। सोशल मीडिया, फेक न्यूज, और नफरत भरे भाषणों ने आम लोगों के दिलों-दिमाग में अशांति पैदा कर दी है। डिजिटल मीडिया का इस्तेमाल समाज को जोड़ने के बजाय ध्रुवीकरण और नफरत फैलाने के लिए हो रहा है।

पांच, पर्यावरण और जलवायु संकट का दबावः जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न संकट (जैसे सूखा, बाढ़, और संसाधनों की कमी) भी अशांति की एक बड़ी वजह बन रहे हैं। पानी, जमीन और बुनियादी संसाधनों के लिए बढ़ते संघर्ष यह दिखाते हैं कि प्रकृति के साथ अन्याय भी इंसानों के बीच शांति को खत्म कर रहा है। समझिए अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस का असली संदेश, जिससे मिलेगी सुख-शांतिबढ़ती अशांति के इस माहौल में 21 सितंबर हमें यह याद दिलाता है कि शांति कोई एक दिन का उत्सव या निष्क्रिय विचार नहीं है, बल्कि यह एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। व्यक्तिगत स्तर पर- शांति की शुरूआत स्वयं और अपने परिवार/समाज के प्रति करुणा और सहनशीलता से होती है। वैश्विक स्तर पर- संवाद, कूटनीति, और सह-अस्तित्व की भावना को फिर से जगाने की आवश्यकता है। अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस पर फैलती अशांति वास्तव में पूरी दुनिया के लिए एक 'वेक-अप कॉल' (चेतावनी) है कि यदि हमने संवाद और सहिष्णुता का रास्ता नहीं चुना, तो प्रगति के तमाम दावे अर्थहीन हो जाएंगे।

विचार | प्रतापराव जाधव

एक स्वास्थ्य, एक भविष्यः सेहतमंद भविष्य के लिए आयुर्वेद

दुनिया अब सेहतमंद होने के मायने पर नए सिरे से सोच रही है। आज स्वास्थ्य-देखभाल का मतलब सिर्फ बीमारी का इलाज करना नहीं है; बल्कि इसका मकसद बीमारियों को रोकना, तंदुरुस्ती को बढ़ावा देना और ऐसी स्वास्थ्य प्रणाली का निर्माण करना है, जो बदलती जीवनशैली, पर्यावरण के दबाव और नई स्वास्थ्य चुनौतियों का सामना कर सके। इस बदलते परिदृश्य में, आयुर्वेद भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण दृष्टि की पेशकश करता है।11वें आयुर्वेद दिवस की थीम, सेहतमंद भविष्य के लिए आयुर्वेद और एक स्वास्थ्य, एक भविष्य का विज? इस विचार को बहुत खूबसूरती से पेश करता है। यह हमें याद दिलाता है कि मानव स्वास्थ्य का कोई अलग-थलग अस्तित्व नहीं होता। लोगों, समुदायों, पशुओं और पर्यावरण का स्वास्थ्य आपस में गहराई से जुड़े होते हैं।आयुर्वेद ने हमेशा बीमारी से बचाव, संतुलित जीवन, सही खान-पान, दैनिक दिनचर्या और प्रकृति के साथ तालमेल बिठाने पर बहुत जोर दिया है। ऐसे समय में जब जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों, उपापचय विकार, तनाव और दूसरी गैर-संक्रामक बीमारियाँ समाज पर बोझ बढ़ा रही हैं, ये सिद्धांत और भी ज्यादा प्रासंगिक हो गए हैं।

लेकिन आयुर्वेद को आगे ले जाने का मतलब सिर्फ पीछे मुड़कर देखना नहीं हो सकता। इसके भविष्य को शोध, साक्ष्यों, नवाचार और गुणवत्ता के जरिए आकार दिया जाना चाहिए। यह सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है कि आयुर्वेद से जुड़े ज्ञान का अध्ययन आधुनिक वैज्ञानिक तरीकों से हो और उसे ऐसे समाधानों में बदला जाए, जो आज की स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करते हों।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, भारत ने इस यात्रा को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। 2014 में आयुष मंत्रालय की स्थापना; आयुर्वेद और अन्य आयुष प्रणालियों को एक मजबूत संस्थागत आधार देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। तब से, इसका दायरा संरक्षण और प्रचार-प्रसार से बढ़कर शोध, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल सुविधा, गुणवत्ता आश्वासन, नवाचार और वैश्विक सहयोग तक विस्तृत हो गया है।

घर में नहीं हैं दाने, चले चौधराहट दिखाने

हालांकि, पाकिस्तान कहीं से कोई सबक नहीं लेता। पाकिस्तान का हाल कुछ यूं है कि अपने घर में छत टपक रही है, लेकिन हम पड़ोसी के दरवाजे का रंग देखकर परेशान हैं।पाक सेना अपने देश में शांति कायम नहीं कर पा रही है, पर चौधरी बनना है पाकिस्तान को।कहीं सऊदी अरब पर हूती हमले कर रहे हैं, कहीं एशियन गेम्स में क्रिकेट चल रहा है और कहीं पाकिस्तान के सामने अपनी घरेलू परेशानियों की लंबी सूची पड़ी है। मगर नजर दुनिया की चौधराहट पर है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में बयान देना सबसे आसान काम है। मिसाइल रोकने के लिए रडार चाहिए। युद्ध रोकने के लिए कूटनीति चाहिए। अर्थव्यवस्था सुधारने के लिए नीति चाहिए। बयान के लिए केवल माइक चाहिए।राजनीतिक तनाव, आर्थिक दबाव, अलग-अलग इलाकों में हिंसा और इंटरनेट बंद होने जैसी समस्याएं अपने-अपने सवाल लेकर खड़ी हैं। कहीं लोग पूछ रहे हैं कि इंटरनेट कब आएगा, कहीं पूछ रहे हैं कि सुरक्षा कब मिलेगी और कहीं सवाल है कि राजनीति कब स्थिर होगी। लेकिन अंतरराष्ट्रीय राजनीति में चौधरी बनने के लिए ये प्रश्न शायद प्रवेश-परीक्षा में नहीं आते। वहां अलग परीक्षा है।इधर एशियन गेम्स में क्रिकेट ने भी प्रवेश कर लिया है। क्रिकेट को देखते ही एशिया का भूगोल बदल जाता है। जो देश सीमा पर एक-दूसरे से आंख मिलाने में सावधानी बरतते हैं, वे क्रिकेट मैदान पर आंख से आंख मिला सकते हैं। भारत और पाकिस्तान क्रिकेट में आमने-सामने हों तो मैच केवल मैच नहीं रहता। वह ऐसा आयोजन बन जाता है, जिसमें एक छक्का विदेश नीति का विषय हो सकता है। एशियन गेम्स में क्रिकेट का एक फायदा यह है कि कम-से-कम कुछ देर के लिए लड़ाई गेंद से होती है। यह अच्छी बात है।हालांकि, पाकिस्तान कहीं से कोई सबक नहीं लेता। पाकिस्तान का हाल कुछ यूं है कि अपने घर में छत टपक रही है, लेकिन हम पड़ोसी के दरवाजे का रंग देखकर परेशान हैं। घर में पानी नहीं आ रहा, लेकिन विश्व जल नीति पर हमारा भाषण तैयार है।बेरोजगारी पर सवाल हो तो हम वैश्विक अर्थव्यवस्था समझाने लगते हैं। और जब कोई पूछे कि भाई, अपने घर का क्या हाल है?तो उत्तर आता है, हम इस पर बाद में बात करेंगे।

शब्द सामर्थ्य -170

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. बात, घटना, माजरा, मुकदमा (उर्दू) 3. अलावा, अतिरिक्त 6. प्रेम, इच्छा 7. मां का बच्चे के प्रति प्रेम 8. गलती, जुर्म, गुनाह, दोष 10. मग्न, लीन, खुश, प्रसन्न 12. धनुष, समादेश, फौजी टुकड़ी 13. एक कल्पित पत्थर जो लोहे को छूकर सोना बना देता है 16. हिम्मत, साहस, सामर्थ्य 17. बनावटी, अनुकृति, असली का विलोम 18. अबोध, नासमझ 20. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध हरिभक्त देवर्षि 22. गहरा नीला, काला 23. व्याकुल, बेसब्र 24. मन, चित्त, आदरसूचक तथा सहमति सूचक एक शब्द।

ऊपर से नीचे

1. स्वामी, नाथ 2. बेबस, मजबूर, विवश 3. अन्याय, अत्याचार, जुल्म 4. मध्य एशिया का एक देश 5. पुस्तक 9. बहादुर, वीर 11. सैनिक विद्रोह 12. नीच, अधम 12 ए. प्रणाम, झुकना 13. भरण-पोषण करना, परवरिश करना, छोटा झूला, हिंडोला 14. प्रमाण, प्रमाणिक कथन 15. स्वाभाविक ढंक, योग्यता, लियाकत, सभ्यता और शिष्टता, शऊर (उ.) 19. बिजली, तड़ित 21. रात में दिखाई न पड़ने का नेत्र संबंधी रोग।

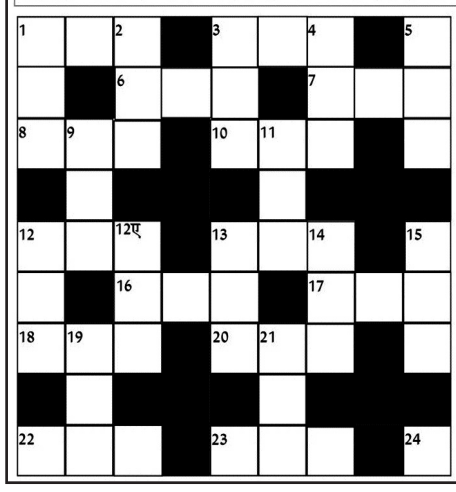

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 169 का हल

प	सं	द	■	सिं	हा	स	न	■
ख	■	म	ज	दू	र	■	का	म
वा	द	क	■	र	■	सं	ब	ल
ड़	■	ल	ज्जा	■	म	स्का	■	य
■	बा	■	■	बि	हा	र	■	■
सु	धा	क	र	■	न	■	■	औ
रं	■	म	■	कि	ता	ब	■	स
ग	■	अ	र	सा	■	हु	ज्ज	त
■	श	क्ल	■	न	मि	त	■	न

पश्चिमी नौसेना कमान पहुंची छत्तीसगढ़ की मीडिया टीम आईएनएस चेन्नई की क्षमताओं से हुई रुबरु

मुंबई (दैनंदिनी)। पुणे और मुंबई के प्रेस टूर पर आई छत्तीसगढ़ के पत्रकारों की टीम ने मुंबई स्थित भारतीय नौसेना की पश्चिमी नौसेना कमान का दौरा किया। इस दौरान पत्रकारों ने भारतीय नौसेना की परिचालन क्षमता, स्वदेशी युद्धपोत निर्माण, युद्धपोतों के रखरखाव और भारत की समुद्री शक्ति के विकास को करीब से समझा।

दौरे के दौरान पत्रकारों को कोलकाता श्रेणी के गाइडेड मिसाइल विध्वंसक युद्धपोत आईएनएस चेन्नई का भ्रमण कराया गया। आईएनएस चेन्नई प्रोजेक्ट 15ए के तहत निर्मित तीन युद्धपोतों में तीसरा और अंतिम पोत है। इसका डिजाइन भारतीय नौसेना ने तैयार किया है और इसका निर्माण मुंबई स्थित मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड में किया गया। इसे नवंबर 2016 में भारतीय नौसेना में शामिल किया गया था।

पत्रकारों को युद्धपोत की परिचालन भूमिका, अत्याधुनिक युद्ध प्रणालियों और समुद्री अभियानों के दौरान इसकी कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि आधुनिक विध्वंसक युद्धपोत समुद्री निगरानी, वायु रक्षा और सतही युद्ध अभियानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आईएनएस चेन्नई की लंबाई लगभग 163 मीटर है और इसका विस्थापन करीब 7,500 टन है। इसमें चार गैस टर्बाइन इंजन लगे हैं, जो इसे 30 नॉट से अधिक की गति प्रदान करते हैं। युद्धपोत को रडार पर कम दिखाई देने के लिए विशेष स्टील्थ तकनीक के साथ डिजाइन किया गया है तथा इसमें आधुनिक सेंसर और हथियार प्रणालियां मौजूद हैं।

पत्रकारों को समुद्री सुरक्षा तथा भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिहाज से पश्चिम एशिया और खाड़ी क्षेत्र के समुद्री मार्गों के महत्व के बारे में भी जानकारी दी गई। विशेष रूप से हॉर्मुज जलडमरूमध्य और इसके आसपास के समुद्री क्षेत्र की रणनीतिक अहमियत समझाई गई। पत्रकारों को बताया गया कि इन महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों की सुरक्षा, व्यापारिक जहाजों की आवाजाही और समुद्री सुरक्षा बनाए रखना भारतीय नौसेना की महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों में शामिल है। क्षेत्र में उत्पन्न होने वाली सुरक्षा चुनौतियों के बीच समुद्री निगरानी और जहाजों की सुरक्षा किस प्रकार सुनिश्चित की जाती है, इसकी भी जानकारी दी गई।

दौरे के दौरान पत्रकारों ने मुंबई के नौसेना डॉकयार्ड स्थित ड्राई डॉक का भी भ्रमण किया। यहां उन्हें बताया गया कि समुद्र में लंबे समय तक परिचालन के बाद युद्धपोतों के रखरखाव, निरीक्षण, मरम्मत और रिफिट के लिए ड्राई डॉक की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। ड्राई डॉक में जहाज को पानी से बाहर लाकर उसके उस हिस्से का भी निरीक्षण और रखरखाव किया जाता है, जो सामान्य परिचालन के दौरान हमेशा पानी के भीतर रहता है। इसमें जहाज का अंडरवाटर हुल, प्रोपल्शन सिस्टम तथा पानी के नीचे स्थित अन्य महत्वपूर्ण प्रणालियां शामिल होती हैं।

पत्रकारों को मुंबई स्थित नौसेना के बड़े ड्राई-डॉकिंग बुनियादी ढांचे की कार्यप्रणाली और इसकी तकनीकी जटिलताओं से भी अवगत कराया गया। इस दौरान उन्हें बताया गया कि बड़े युद्धपोतों और विमानवाहक पोतों के रखरखाव के लिए अत्याधुनिक ड्राई डॉक किस प्रकार महत्वपूर्ण आधारभूत संरचना के रूप में काम करते हैं।

मीडिया टीम ने नौसेना पोत संग्रहालय का भी दौरा किया। यहां पत्रकारों को भारत में नौसैनिक पोतों के विकास और भारतीय नौसेना के इतिहास की जानकारी दी गई। संग्रहालय में विभिन्न कालखंडों से संबंधित पोतों, नौसैनिक तकनीक, डिजाइन, हथियार प्रणालियों और समुद्री अभियानों से जुड़े ऐतिहासिक पहलुओं को प्रदर्शित किया गया है। इन प्रदर्शनों के माध्यम से पत्रकारों ने भारत की नौसैनिक क्षमता के क्रमिक विकास और स्वदेशी युद्धपोत निर्माण की यात्रा को समझा।

पश्चिमी नौसेना कमान का यह दौरा पत्रकारों के लिए भारतीय नौसेना के फ्रंटलाइन युद्धपोतों की परिचालन भूमिका से लेकर युद्धपोतों के रखरखाव, ड्राई डॉक की तकनीकी कार्यप्रणाली और भारत की समुद्री शक्ति के ऐतिहासिक विकास को एक साथ समझने का अवसर रहा।

छत्तीसगढ़ की मीडिया टीम महाराष्ट्र के प्रेस टूर पर है, जिसके दौरान पत्रकारों को देश के महत्वपूर्ण संस्थानों, तकनीकी सुविधाओं और रणनीतिक प्रतिष्ठानों का प्रत्यक्ष अवलोकन कराया जा रहा है।

सरकार और समाज के बीच सेतु के रूप में मीडिया की भूमिका महत्वपूर्ण: राज्यपाल वर्मा

मुंबई (दैनंदिनी)। महाराष्ट्र के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने शुक्रवार को मीडिया को लोकतंत्र का मजबूत स्तंभ बताते हुए पत्रकारों से सरकार की जनकल्याणकारी पहलों और योजनाओं को समाज तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

नक्सलवाद प्रभावित रहे छत्तीसगढ़ के जिलों से और बिहार के क्षेत्रों से आए पत्रकारों के एक समूह ने शुक्रवार को मुंबई स्थित राजभवन में राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा से मुलाकात की। इस संवाद का आयोजन पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) द्वारा किया गया था। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व पीआईबी के पश्चिमी क्षेत्र की महानिदेशक स्मिता वत्स शर्मा ने किया।

पत्रकारों को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि मीडिया सरकार और जनता के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु का कार्य करता है। उन्होंने कहा कि सरकार भी समाज का ही हिस्सा है और उसकी नीतियां एवं योजनाएं नागरिकों के कल्याण के लिए बनाई जाती हैं। ऐसे में इन पहलों की जानकारी लोगों तक पहुंचाना और उनके लाभों के प्रति जागरूकता पैदा करना मीडिया की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

राज्यपाल ने पत्रकारों से नशा मुक्त भारत अभियान और टीबी मुक्त भारत अभियान सहित विभिन्न जनकल्याणकारी कार्यक्रमों के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ाने में योगदान देने का आग्रह किया।

मीडिया के बदलते स्वरूप का उल्लेख करते हुए राज्यपाल वर्मा ने कहा कि तकनीकी विकास ने सूचना और समाज के बीच की दूरी काफी कम कर दी है। डिजिटल प्लेटफॉर्म के विस्तार के साथ अब सूचनाएं भौगोलिक सीमाओं की परवाह किए बिना लगभग तुरंत लोगों तक पहुंच रही हैं।

हालांकि, उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया के तेजी से विस्तार के कारण समाचार, विचार, राय और अन्य प्रकार की सामग्री की बड़ी मात्रा लोगों तक पहुंच रही है। ऐसे माहौल में आम लोगों के लिए सही और अपुष्ट सूचनाओं के बीच अंतर करना कई बार कठिन हो जाता है।

राज्यपाल ने कहा कि बदलते सूचना परिवेश में पत्रकारों की जिम्मेदारी और बढ़ गई है। उन्होंने पत्रकारिता में तथ्यों पर आधारित और सार्थक जानकारी उपलब्ध कराने पर जोर दिया, ताकि लोग अपने जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को बेहतर ढंग से समझ सकें।

उन्होंने जमीनी स्तर तक सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी पहुंचाने में मीडिया की भूमिका को भी महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि पत्रकार लोगों को सरकारी योजनाओं के उद्देश्यों और लाभों की जानकारी देने तथा जनभागीदारी बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

पत्रकारों का यह प्रतिनिधिमंडल पीआईबी द्वारा आयोजित पुणे और मुंबई के मीडिया दौरे पर है। दौरे का उद्देश्य पत्रकारों को महत्वपूर्ण संस्थानों, विकास पहलों और राष्ट्रीय कार्यक्रमों से परिचित कराना है।

गणपति महाआरती एवं जागरण में शामिल हुईं राज्यमंत्री डॉ. वर्णिका शर्मा

रायपुर ■ दैनन्दिनी

साम्राज्य रेसीडेंसी सार्वजनिक गणेश उत्सव समिति, रायपुर द्वारा श्री गणपति बप्पा की महाआरती एवं भक्ति मधुर जागरण का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ शासन की राज्य मंत्री एवं राज्य बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा जी आई थीं, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ समाजसेवी श्री पीयूष जैन जी विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम की संयोजिका प्रिया गुप्ता जी रहीं। डॉ. वर्णिका शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा -"गणपति बप्पा विघ्नहर्ता हैं, उनकी कृपा से ही समाज में एकता और संस्कार आते हैं।"

कार्यक्रम संयोजिका प्रिया गुप्ता ने अपने उद्बोधन में कहा - "आज गणपति बप्पा की महाआरती में आप सभी की उपस्थिति ने कार्यक्रम को सफल बनाया। हमारा उद्देश्य गणेश उत्सव के माध्यम से समाज में भक्ति के साथ-साथ नारी शक्ति और बच्चों के संरक्षण का संदेश देना है। मैं मुख्य अतिथि डॉ. वर्णिका शर्मा मेम एवं विशिष्ट अतिथि श्री पीयूष जैन जी का हृदय से आभार व्यक्त करती हूँ, जिन्होंने अपना कीमती समय देकर हमें आशीर्वाद दिया।"

विशिष्ट अतिथि श्री पीयूष जैन ने अपने उद्बोधन में कहा - "साम्राज्य रेसीडेंसी में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी गणपति महोत्सव बड़े उत्साह से मनाया गया। मैं मुख्य अतिथि डॉ. वर्णिका शर्मा जी का और कार्यक्रम संयोजिका प्रिया गुप्ता जी का आभार व्यक्त करता हूँ। इस आयोजन में कॉलोनी के सभी निवासियों, मातृशक्ति और युवाओं ने जो सहयोग दिया। प्रिया गुप्ता कार्यक्रम संयोग का उसके लिए मैं सभी का दिल से धन्यवाद करता हूँ। गणपति बप्पा सभी की मनोकामना पूर्ण करें।" कार्यक्रम बड़ी संख्या में मातृशक्ति एव श्रद्धालु विशेष रूप से उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण : अपात्र परिवारों की सूची पर 15 दिन में दावा-आपत्ति का अवसर

गरियाबंद। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत आवास प्लस 2.0 के माध्यम से छूटे हुए पात्र परिवारों के सर्वे का कार्य जिले में किया गया है। सर्वे के बाद प्रगणक एवं चेकर द्वारा सत्यापन की प्रक्रिया पूरी की गई। इसके पश्चात भारत सरकार द्वारा जारी सूची को ग्राम सभाओं में वाचन, सत्यापन एवं अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किया गया। ग्राम सभाओं से प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर जिले के पांचों जनपद पंचायतों में कुल 2,607 परिवार अपात्र पाए गए हैं। इनमें छुरा जनपद पंचायत के 547, देवभोग के 304, फिंगेश्वर के 579, गरियाबंद के 768 तथा मैनपुर के 409 परिवार शामिल हैं। ग्राम सभा से प्राप्त प्रस्ताव के आधार पर संबंधित जनपद पंचायतों द्वारा अपात्र पाए गए परिवारों का तथ्य आवास पोर्टल पर अद्यतन किया गया है। आवास पोर्टल से इन परिवारों के नाम विलोपित किए जाने से पहले संबंधित परिवारों को अपना पक्ष रखने का अवसर दिया जा रहा है। जिले के सभी जनपद पंचायतों से प्राप्त अपात्र परिवारों की सूची को 15 दिनों के लिए जिले की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड किया जा रहा है। सूची का अवलोकन जिले की वेबसाइट के साथ-साथ संबंधित कार्यालयों के सूचना पटल तथा संबंधित जनपद पंचायत एवं ग्राम पंचायत के सूचना पटल पर किया जा सकता है। प्रकाशित सूची में शामिल जिन हितग्राहियों अथवा परिवारों को अपने नाम के संबंध में दावा-आपत्ति प्रस्तुत करनी है, वे 8 अक्टूबर 2026 तक शाम 5:30 बजे तक संबंधित मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

आज छत्तीसगढ़ में सुशासन की सरकार के सहयोग से पंडरिया विधानसभा में विकास कार्यों को नई गति मिली है : भावना बोहरा

इंदौरी नगर के विकास को मिली नई रफ्तार- विधायक भावना बोहरा ने 1.95 करोड़ के विकास कार्यों का किया लोकार्पण एवं भूमिपूजन

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। नगर पंचायत इंदौरी में नागरिक सुविधाओं के विस्तार और अधोसंरचना विकास को गति देते हुए पंडरिया विधायक भावना बोहरा कुल 1 करोड़ 95 लाख 94 हजार रुपये की लागत के विभिन्न विकास व अधोसंरचना निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इनमें 1 करोड़ 45 लाख 97 हजार रुपये के कार्यों का भूमिपूजन तथा 49 लाख 97 हजार रुपये के कार्यों का लोकार्पण शामिल है। इन विकास कर्यों से नगर पंचायत इन्दौरी में क्षेत्रवासियों की मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के साथ ही नगर के सौन्दर्यीकरण को भी नई पहचान मिलेगी।

इस दौरान विधायक भावना बोहरा ने भारत माता चौक निर्माण एवं सौंदर्यीकरण कार्य तथा मां कर्मा माता चौक का लोकार्पण किया। वहीं वार्ड क्रमांक 14 में मुक्तिधाम विकास कार्य, निकाय क्षेत्र में दुकानों का निर्माण, मांगलिक भवन निर्माण तथा मुक्तिधाम उन्नयन कार्य का भूमिपूजन कर समस्त नगरवासियों को इस सौगात के लिए बधाई व शुभकामनाएं दी। विदित हो कि नगर पंचायत इंदौरी में भाजपा सरकार आने के बाद से क्षेत्र में अधोसंरचना और नागरिक सुविधाओं से जुड़े कार्यों को लगातार प्राथमिकता दी जा रही है। विगत वर्षों में नगर पंचायत क्षेत्र के लिए लगभग 10 करोड़ के विकास कार्यों के साथ-साथ अधोसंरचना मद अंतर्गत 2 करोड़ की प्राविधिक स्वीकृति भी प्राप्त हुई है।

इससे स्पष्ट है कि छोटे शहरों और नगर क्षेत्रों में सड़क, भवन, चौक, बाजार तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं के विस्तार पर लगातार काम किया जा रहा है।

इस अवसर पर विधायक भावना बोहरा ने कहा "इंदौरी नगर के विकास और नागरिकों की आवश्यकताओं के अनुरूप मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है। भारत माता चौक और मां कर्मा माता चौक जैसे कार्य से नगर की नई पहचान बनेगा। मुक्तिधाम, मांगलिक भवन और दुकानों के निर्माण से स्थानीय नागरिकों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। हमारा प्रयास है कि विकास का लाभ नगर के प्रत्येक वार्ड और प्रत्येक परिवार तक पहुंचे। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के सेवा और जनकल्याण केंद्रित नीतियों तथा माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में नगरीय क्षेत्रों के विकास और नागरिक सुविधाओं को प्राथमिकता दी जा रही है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों की सेवा यात्रा के अवसर पर चल रहे 'सेवा संकल्प अभियान' की भावना भी यही है कि जनसेवा को निरंतर विकास कार्यों और जनहित की गतिविधियों से जोड़ा जाए। इंदौरी नगर सहित पूरे पंडरिया विधानसभा क्षेत्र में हो रहे विकास कार्य इसी सेवा भावना को स्थानीय स्तर पर आगे बढ़ाने का माध्यम हैं।

भावना बोहरा ने कहा कि प्रदेश के युवा, किसान, महिला, व्यापारी, गरीब हर वर्ग के लिए योजनाओं के सुचारू क्रियान्वयन और विकास एवं अधोसंरचना निर्माण कार्यों को गति देकर हम माननीय प्रधानमंत्री जी के विकसित भारत,विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की दिशा में लगातार आगे बढ़ रहें हैं। पंडरिया विधानसभा के वनांचल व आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों से लेकर हर गाँव और नगर तक पहुँच रही विकास की रोशनी और जनहित की योजनाओं से आज हर व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आया है। हमारा संकल्प है कि पंडरिया के हर गाँव और घर तक पक्की सड़कें,स्वच्छ पेयजल, पर्याप्त बिजली,मूलभूत सुविधाएँ और किसानों के खेतों तक सिंचाई के लिए पानी की पहुँच सुनिश्चित हो सके और इस दिशा में हम निरंतर आगे बढ़ रहें हैं। आज छत्तीसगढ़ में सुशासन की सरकार सरकार के सहयोग से पंडरिया में विकास कार्यों को नई गति मिली है। पंडरिया विधानसभा अब तेजी से विकास के पथ पर अग्रसर है, जहां हर गांव को मुख्यधारा से जोड़ने का लक्ष्य प्राथमिकता के साथ पूरा किया जा रहा है।

कार्यक्रम में नगर पंचायत इन्दौरी के प्रभारी रोशन दुबे जी, नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मित्रिन बाई मांडले जी, उपाध्यक्ष जसवंत साहू जी, मंडल अध्यक्ष खिलेश्वर साहू जी, विधायक प्रतिनिधि रामसुख जायसवाल जी, मंडल महामंत्री मनोज बंजारे जी, राजू चंद्रवंशी जी, नारद साहू, श्रीमती सुखमणी गोस्वामी, हिमचंद सिन्हा, श्रीमती तनुजा आडिले, प्रकाश साहू, श्रीमती दुर्गा साहू, श्री दाऊराम छेदावी, श्रीमती आरती नांरगे, श्रीमती मिल्पी गंगासागर टंडन, उमेद दास बघेल, असमन चन्द्रवंशी, ज्ञानेश डहरिया, भरत घृतलहरे, कमलेश कोशले, कौशल तिवारी, डॉ. भरत यादव, रोहित कुमार मेरावी, ग्राम के सरपंच, भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवम नगरवासी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

सेवा संकल्प अभियान के तहत कबीरधाम में चला स्वच्छता अभियान

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। सेवा संकल्प अभियान के तहत कबीरधाम जिले में स्वच्छता को लेकर विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

अभियान के अंतर्गत एनीकट परिसर, नदीघाट, गणेश विसर्जन स्थल सहित विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर साफ-सफाई की गई। इस दौरान विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ स्थानीय नागरिकों, युवाओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई।

जल संसाधन विभाग द्वारा एनीकट परिसर एवं नदीघाट में विशेष स्वच्छता अभियान चलाकर आसपास फैले कचरे और अपशिष्ट को हटाया गया। अभियान में शामिल लोगों ने श्रमदान कर परिसर की सफाई की और स्वच्छता का संदेश दिया। वहीं नगर के अन्य सार्वजनिक स्थलों, कार्यालय परिसरों, नालियों, आसपास के क्षेत्रों एवं मुख्य मार्गों की भी साफ-सफाई की गई तथा एकत्रित कचरे का उचित निस्तारण किया गया।

अभियान के दौरान नागरिकों को सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी नहीं फैलाने तथा अपने घर और आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ रखने के लिए जागरूक किया गया। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कहा कि स्वच्छता केवल किसी अभियान तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना आवश्यक है। स्वच्छ वातावरण से नागरिकों का स्वास्थ्य बेहतर होता है और शहर एवं गांव अधिक सुंदर और व्यवस्थित बनते हैं।

स्वच्छता ही सेवा अभियान 2026 के अंतर्गत नगर पंचायत पांडातराई में गणेश विसर्जन स्थल पर भी विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान विसर्जन स्थल एवं आसपास के परिसर की सफाई कर कचरे और अन्य अपशिष्ट को हटाया गया तथा स्थल को स्वच्छ एवं व्यवस्थित किया गया। जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता श्री आर के सोनी ने बताया कि स्वच्छता से जुड़ी ऐसी गतिविधिया आगे भी नियमित रूप से जारी रहेंगी।

एशियन गेम्स में गुलवीर सिंह ने किया कमाल, 10000 मीटर रेस में जीता सिल्वर मेडल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय एथलीट गुलवीर सिंह ने एशियन गेम्स 2026 में मेंस की 10000 मीटर दौड़ में सिल्वर मेडल जीत लिया है। 28 साल के गुलवीर उत्तर प्रदेश के अतरौली गांव के रहने वाले हैं और यह एशियन गेम्स में उनका दूसरा मेडल है। इससे पिछले एशियाड में भी उन्होंने इसी 10000 मीटर दौड़ में भारत के लिए ब्रॉन्ज मेडल जीता था। इस बार शुक्रवार को हुई रेस को उन्होंने 28 मिनट 29.38 सेकंड का समय निकालकर पूरा किया और दूसरा स्थान हासिल किया।

गुलवीर सिंह ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भी किया था शानदार प्रदर्शन

साल 2026 के कॉमनवेल्थ गेम्स में गुलवीर सिंह ने भारतीय खेलों में एक नया इतिहास रच दिया। ग्लासगो में हुई पुरुषों की 10000 मीटर दौड़ को उन्होंने 27 मिनट 49.78 सेकंड में पूरा करके सिल्वर मेडल जीता था। इसके साथ ही वे कॉमनवेल्थ गेम्स के इतिहास में इस दौड़ में कोई पदक जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए।

इसके बाद उन्होंने 5000 मीटर की दौड़ में भी ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। एक ही कॉमनवेल्थ गेम्स में एथलेटिक्स के दो मेडल जीतकर उन्होंने एक और बड़ी कामयाबी हासिल की।

2022 के बाद बनी गुलवीर की पहचान

गुलवीर सिंह के करियर की असली शुरुआत 2022 के फेडरेशन कप से हुई, जहां उन्होंने 10,000 मीटर दौड़ में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। इस जीत के बाद देश भर में उनकी एक खास पहचान बनने लगी। इसके बाद 2023 के एशियन गेम्स में उन्होंने फिर कमाल किया। चीन के हांगझोउ में हुई 10,000 मीटर दौड़ को उन्होंने 28 मिनट 17.21 सेकंड में पूरा करके कांस्य पदक जीता। उसी दौड़ में भारत के कार्तिक कुमार ने सिल्वर मेडल जीता था। इस शानदार प्रदर्शन के बाद गुलवीर एशिया के सबसे बेहतरीन लंबी दूरी के धावकों में गिने जाने लगे।

कोच स्कॉट सिमंस की देखरेख में गुलवीर के खेल में हुआ सुधार

साल 2024 में गुलवीर ट्रेनिंग के लिए अमेरिका के कोलोराडो स्प्रिंग्स गए, जहां कोच स्कॉट सिमंस की देखरेख में उनके खेल में जबरदस्त सुधार आया।

इसके बाद तो वे एक के बाद एक नए रिकॉर्ड बनाने लगे। उन्होंने 3000 मीटर, 5000 मीटर और 10000 मीटर की रेस में भारत के लिए एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। 5000 मीटर में उनका रिकॉर्ड 12 मिनट 59.77 सेकंड, 10000 मीटर में 27 मिनट 0.22 सेकंड और 3000 मीटर में 7 मिनट 34.49 सेकंड है।

जोस बटलर का बड़ा कारनामा, बने 10 हजार व्हाइट बॉल रन बनाने वाले पहले अंग्रेज बल्लेबाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच वनडे सीरीज का दूसरा मैच हेडिंग्ले लीड्स में खेला गया। इस मैच में श्रीलंका ने इंग्लैंड को 16 रनों से हराकर इस सीरीज की पहली जीत दर्ज की। इंग्लैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर ने इस मैच में शानदार अर्धशतक लगाया। अपनी इस अर्धशतकीय पारी के दौरान बटलर ने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने व्हाइट बॉल क्रिकेट में 10 हजार रन पूरे किए हैं और ऐसा करने वाले इंग्लैंड के पहले बल्लेबाज बन गए हैं। अब तक कोई भी अंग्रेज बल्लेबाज इस रिकॉर्ड को अपने नाम नहीं कर पाया था।

जोस बटलर ने वनडे क्रिकेट में उन्होंने 204 मैचों की 176 पारियों में लगभग 39 की औसत और शानदार 115 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट से 5678 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से 11 शतक और 30 अर्धशतक निकले हैं, जिसमें उनका बेस्ट प्रदर्शन नाबाद 162 रन का रहा है। वह वनडे में इंग्लैंड की तरफ से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर हैं।

वहीं दूसरी तरफ, टी20 अंतरराष्ट्रीय में बटलर इंग्लैंड के सबसे सफल बल्लेबाज हैं और सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में पहले स्थान पर हैं। उन्होंने 163 मैचों की 150 पारियों में करीब 35 की औसत और 150 की तूफानी स्ट्राइक रेट से 4384 रन बनाए हैं, जिसमें 2 शतक और 30 अर्धशतक शामिल हैं। इसी के साथ व्हाइट बॉल क्रिकेट में जोस बटलर का प्रदर्शन और भी अच्छा हो गया है। उन्होंने अब तक कुल 367 मैचों की 326 पारियों में 37 से ज्यादा की औसत से 10062 रन बना लिए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से 13 शतक और 60 अर्धशतक निकले हैं, जो उनकी काबिलियत को बखूबी दिखाता है।

U19 वर्ल्ड कप के लिए इंग्लैंड ने किया स्क्वॉड का ऐलान, कप्तान को लेकर सस्पेंस बरकरार

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड ने 2027 में होने वाले महिला अंडर-19 वर्ल्ड कप के लिए अपनी 15 खिलाड़ियों की टीम का ऐलान कर दिया है। यह टूर्नामेंट जनवरी महीने में नेपाल और बांग्लादेश में खेला जाएगा। वर्ल्ड कप से पहले ये खिलाड़ी यूके में ट्रेनिंग कैंप में हिस्सा लेंगी। इसके बाद इंग्लैंड की अंडर-19 टीम नवंबर में पांच मैचों की टी-20 सीरीज खेलने के लिए भारत आएगी।

वॉर्विकशायर की स्पिनर फोबे ब्रेट को टीम में दोबारा जगह मिली है। वह 2025 के टूर्नामेंट में भी खेली थीं, जहां इंग्लैंड की टीम सेमीफाइनल तक पहुंचने में कामयाब रही थी। इसके साथ ही 'द ब्लेज' की मारिया एंड्रयूज को भी शामिल किया गया है, जो पिछली बार रिजर्व खिलाड़ी के रूप में टीम के साथ ट्रैवल नहीं कर पाई थीं।

इस टीम के कई खिलाड़ियों के पास टियर-1 काउंटी क्रिकेट खेलने का अनुभव है। इनमें एसेक्स की ऑलराउंडर ब्रायोनी गिलग्रास, यॉर्कशायर की लेग स्पिनर हॉली गार्टन और लंकाशायर से खेलने वाली 16 साल की लेग स्पिनर वीनस वीराप्पुली शामिल हैं। टीम के कप्तान के नाम का ऐलान वर्ल्ड कप के पास आने पर किया जाएगा। इसके अलावा वर्ल्ड कप के लिए चुने गए 5 रिजर्व खिलाड़ी भी ट्रेनिंग कैंप और भारत दौरे में टीम के साथ जुड़े रहेंगे।

U19 महिला टीम के हेड कोच ने दिया बड़ा बयान

इंग्लैंड की अंडर-19 महिला टीम के हेड कोच क्रिस गेस्ट ने कहा कि यह हमारे खिलाड़ियों के लिए एक बहुत ही शानदार मौका है। अंडर-19 महिला वर्ल्ड कप के लिए अब तक जितने भी स्क्वॉड भेजे गए हैं, उनमें से यह सबसे बेहतरीन और पूरी तैयारी के साथ जाने वाली टीम होगी। इस बार भी हमारा सबसे बड़ा लक्ष्य अंडर-19 वर्ल्ड कप जीतना ही है। पुरानी कोशिशों और अनुभवों से सीख लेते हुए, हमने इस बार अपनी तैयारी का तरीका थोड़ा बदला है। अब हम यह पक्का कर रहे हैं कि हमारे खिलाड़ियों को टूर्नामेंट शुरू होने से ठीक पहले बाहर मैदान पर मैच खेलने का पूरा मौका मिले।

भारत-वेस्टइंडीज सीरीज से पहले कोच का बड़ा बयान बोले- अगर ICC इवेंट जीतना है तो इंडिया को हराना होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और वेस्टइंडीज के बीच 3 वनडे मैचों की सीरीज 27 सितंबर से शुरू हो रही है। शुरुआती मैच से पहले वेस्टइंडीज के हेड कोच डैरेन सैमी ने बताया कि यह सीरीज उनकी टीम के लिए बहुत जरूरी है।

इससे यह पता चलेगा कि उनकी टीम वनडे क्रिकेट में कहां तक पहुंची है और उसमें कितना सुधार हुआ है। वेस्टइंडीज ने पिछले 20 सालों से भी ज्यादा समय से भारत में कोई वनडे सीरीज नहीं जीती है, इसलिए यह मुकाबला उनकी टीम के लिए एक बड़ी चुनौती और इस लंबे इंतजार को खत्म करने का बेहतरीन मौका है।

तिरुवनंतपुरम में रविवार को होने वाले पहले मैच से पहले पत्रकारों से बातचीत में डैरेन सैमी ने कहा कि

वेस्टइंडीज ने भारत में पिछले 24 सालों से कोई वनडे सीरीज नहीं जीती है। इसलिए उनकी टीम के पास खुद को परखने और यह जानने का अच्छा मौका है कि वे वनडे क्रिकेट में कहां पर हैं। उन्होंने आगे कहा कि खिलाड़ियों के पास भारत के खिलाफ बेहतर खेल दिखाने और इस 24 साल के लंबे इंतजार को खत्म करके सीरीज जीतने का यह एक बेहतरीन अवसर है। गौरतलब है कि वेस्टइंडीज की टीम 2027 के वर्ल्ड कप के लिए सीधे जगह नहीं बना पाई है, इसलिए उन्हें अगले साल की शुरुआत में क्वालीफायर मैच खेलने पड़ेंगे। डैरेन सैमी का मानना है कि भारत के खिलाफ शुरू हो रही यह 3 वनडे मैचों की सीरीज उनकी टीम की तैयारियों के लिए बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि अगर लिमिटेड ओवरों के क्रिकेट में कोई बड़ा ICC टूर्नामेंट जीतना है, तो भारत को हराना ही पड़ेगा।

ऐसे में भारत को उसी के घर और माहौल में हराने से वेस्टइंडीज की टीम को अपनी काबिलियत और तैयारियों का सही अंदाजा मिलेगा। डैरेन सैमी ने आगे कहा कि अगर वे भारत में अच्छा प्रदर्शन करते हैं और जीत हासिल करते हैं, तो इससे उन्हें अपनी टीम की असली ताकत और इंटरनेशनल लेवल पर मुकाबला करने की काबिलियत का अंदाजा हो जाएगा। उन्होंने बताया कि फरवरी में होने वाले क्वालीफायर मैचों से पहले उनका सबसे पहला लक्ष्य अपनी टीम को लगातार बेहतर बनाना है, ताकि वे क्वालीफायर जीतकर 2027 के वर्ल्ड कप में अपनी जगह पक्की कर सकें।

व्यापार

हरे निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स 315 तो निफ्टी 77 अंक उछला; एक्सिस बैंक का स्टॉक 3% चढ़ा

मुंबई (एजेंसी)। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार मजबूती के साथ हरे निशान पर बंद हुआ। क्लोजिंग ऑक्शन सेशन के बाद बाजार में लगातार दूसरे दिन तेजी देखने को मिली। ऑटो, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और प्राइवेट बैंकिंग शेयरों में हुई जोरदार खरीदारी के दम पर मुख्य सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी बढ़त बनाने में सफल रहे। इसके अलावा बाजार की स्थिरता को दर्शाने वाला इंडिया विक्स भी 4.33% फिसल गया।

कारोबार के अंत में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) का सेंसेक्स 315 अंक यानी 0.43% की उछाल के साथ 73,896 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) का निफ्टी 77 अंक यानी 0.34% बढ़कर 23,141 के स्तर पर पहुंचने में कामयाब रहा।

बाजार का ओवरऑल ट्रेंड काफी पॉजिटिव रहा। दिनभर के कारोबार में कुल 2,180 शेयरों में तेजी दर्ज की गई, जबकि 1,962 शेयर लाल निशान में बंद हुए। स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.15% की मामूली बढ़त देखी गई, जबकि मिडकैप इंडेक्स 0.14% फिसलकर बंद हुआ।

टॉप गेनर्स: एक्सिस बैंक और एशियन पेंट्स में बंपर तेजी

निफ्टी हीटमैप के अनुसार, आज के

सबसे बड़े गेनर्स में प्राइवेट बैंक और ऑटो से जुड़े शेयर आगे रहे। एक्सिस बैंक 3.03% की जोरदार तेजी के साथ ₹1,222.40 पर बंद हुआ। वहीं, एशियन पेंट्स भी 2.14% की बढ़त हासिल की, जबकि महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.75% चढ़कर ₹3,035.00 के भाव पर बंद हुआ। बजाज फाइनेंस में 1.52% और एचसीएल टेक में 1.16% का उछाल आया। इसके अलावा, टाइटन 1.07% बढ़कर ₹4,884.00 और इंडिगो 1.02% चढ़कर ₹4,940.00 पर बंद हुए।

टॉप लूजर्स: आईटी और मैक्स हेल्थकेयर में गिरावट

तेजी के माहौल के बीच कुछ दिग्गजों और हेल्थकेयर शेयरों पर दबाव देखने को मिला। मैक्स हेल्थकेयर 3.06% टूटकर ₹1,014.00 पर आ गया। इन्फोसिस भी 1.41% की गिरावट के साथ ₹1,000.20 पर बंद हुआ। इसके अलावा, ओएनजीसी 1.31%, ट्रेंट 1.14% और टीसीएस 0.24% की सुस्ती के साथ बंद हुए।

सेक्टोरल इंडेक्स पर डालें नजर

सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें तो निफ्टी रियल्टी 0.71% की बढ़त लेकर ₹867.50 के स्तर पर बंद हुआ।

5 दिन से लगातार सस्ता हो रहा सोना, अब तक इतना गिर गया भाव

मुंबई (एजेंसी)। बाजार में सोने-चांदी की कीमतों में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। दिल्ली के सर्राफा बाजार में सोना लगातार पांचवें कारोबारी सत्र में सस्ता हुआ है। पिछले पांच दिनों में सोने की कीमत करीब ₹3,600 प्रति 10 ग्राम तक घट चुकी है। 99.9 फीसदी शुद्धता वाला सोना ₹1,600 टूटकर ₹1,52,400 प्रति 10 ग्राम पर आ गया। वहीं, दो दिन स्थिर रहने के बाद चांदी के भाव में भी बड़ी गिरावट दर्ज की गई।

दिल्ली के सर्राफा बाजार में 99.9 फीसदी शुद्धता वाला सोना ₹1,600 गिरकर ₹1,52,400 प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। इससे पहले इसका भाव ₹1.54 लाख प्रति 10 ग्राम था। पांच कारोबारी सत्र पहले सोने की कीमत करीब ₹1.56 लाख प्रति 10 ग्राम थी। यानी पांच दिनों में सोना लगभग ₹3,600 सस्ता हो चुका है।सोने की कीमतों में यह लगातार पांचवें सत्र की गिरावट है। कारोबारियों के मुताबिक, ऊंचे स्तरों पर मुनाफावसूली और कमजोर वैश्विक संकेतों के कारण सोने पर दबाव बना हुआ है।

सोने के साथ चांदी की कीमत में भी बड़ी गिरावट आई है। दो कारोबारी सत्र तक भाव स्थिर रहने के बाद चांदी ₹5,000 टूटकर ₹2.37 लाख प्रति किलोग्राम पर आ गई।

27 सितंबर, रविवार को बैंक खुलेंगे या बंद रहेंगे? बैंक यूनियन के फैसले ने बढ़ाया असमंजस

नई दिल्ली (एजेंसी)। 27 सितंबर, रविवार को बैंक खुलेंगे या बंद रहेंगे? इस सवाल को लेकर ग्राहकों के बीच असमंजस की स्थिति बनी हुई है। एक तरफ केंद्र सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (PSBs) और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (RRBs) को रविवार को खोलने का निर्देश दिया है। वहीं, बैंक अधिकारियों के एक संगठन ने अपने सदस्यों से रविवार को काम पर नहीं आने की अपील की है। ऐसे में शाखाओं में सामान्य बैंकिंग सेवाएं कितनी उपलब्ध रहेंगी, यह कर्मचारियों की उपस्थिति पर निर्भर कर सकता है।

बता दें कि केंद्र सरकार का यह फैसला 21 सितंबर को हुई बैठक के बाद लिया गया। बैठक में वित्त मंत्रालय के अधिकारियों के साथ पब्लिक सेक्टर के बैंकों, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों, भारतीय बैंक संघ (IBA) और नाबार्ड के अधिकारियों ने बैंकिंग सेवाओं को लेकर चर्चा की थी। दरअसल, 28 से 30 सितंबर तक तीन दिन की राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल प्रस्तावित है। इससे पहले 26 और 27 सितंबर को सप्ताहांत की छुट्टियां पड़ रही हैं। ऐसे में अगर 27 सितंबर को भी बैंक बंद रहते, तो ग्राहकों को लगातार कई दिनों तक नियमित बैंकिंग सेवाओं में परेशानी हो सकती थी। इसी वजह से रविवार को बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराने का फैसला लिया गया है।

RBI ने भी बैंक खोलने की मंजूरी दी

27 सितंबर को बैंक शाखाओं के अलावा बैंक कार्यालयों, ATM से जुड़े कार्यालयों और करेंसी चेस्ट को खोलने की अनुमति भी दी गई है। इसका उद्देश्य हड़ताल से पहले जरूरी बैंकिंग कामकाज को निपटाने और ग्राहकों को ज्यादा समय तक सेवाओं से दूर न रखने का है। हालांकि, यहां एक पेंच है। ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन (AIBOA) ने अपने सदस्यों से रविवार को ड्यूटी पर नहीं आने का अनुरोध किया है। संगठन का कहना है कि औद्योगिक विवाद अधिनियम के तहत 27 सितंबर को अवकाश का दिन माना जाता है।

28 से 30 सितंबर तक प्रस्तावित बैंक हड़ताल

यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (UFBU) और अन्य बैंक यूनियनों ने 28 से 30 सितंबर तक तीन दिवसीय राष्ट्रव्यापी हड़ताल का प्रस्ताव रखा है। यह 11 सितंबर को हुई एक दिवसीय बैंक हड़ताल के बाद दूसरी बड़ी कार्रवाई होगी। यूनियनों की प्रमुख मांगों में पांच दिन की बैंकिंग व्यवस्था लागू करना शामिल है। इसके अलावा पेंशन से जुड़े संशोधन और कुछ कर्मचारियों के DA तथा पेंशन योजनाओं में बदलाव जैसी मांगें भी उठाई गई हैं।

ग्राहकों को क्या करना चाहिए?

27 सितंबर को बैंक की शाखा सेवाएं वास्तव में कितनी सुचारू रहेंगी, यह कर्मचारियों की उपस्थिति पर निर्भर कर सकता है। इसलिए जिन ग्राहकों को जरूरी शाखा संबंधी काम है, वे उसे पहले ही पूरा करने की कोशिश कर सकते हैं।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो का शानदार आगाज, MSME पर CM योगी का बड़ा फोकस; अमित शाह बोले- UP बन रहा मैन्युफैक्चरिंग हब

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश को वैश्विक मंच पर एक नई पहचान दिलाने के उद्देश्य से ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट में यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो (UPITS) के चौथे संस्करण का भव्य आगाज हो गया है। 25 सितंबर से 29 सितंबर तक चलने वाले इस 4 दिवसीय ट्रेड शो का उद्घाटन करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश की औद्योगिक क्षमता, एमएसएमई (MSME) सेक्टर और कारीगरों के हुनर की जमकर सराहना की। सीएम योगी ने कहा कि यूपी में कभी भी क्षमता की कमी नहीं थी, बस सही अवसरों की जरूरत थी। अब राज्य 'ट्रेडिशन और टेक्नोलॉजी' के संगम के साथ देश का सबसे बड़ा मैन्युफैक्चरिंग हब बनने की ओर तेजी से अग्रसर है।

अमित शाह के 2017 के विजन और ODOP की सफलता का जिक्र

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के योगदान को याद किया। उन्होंने बताया कि 2017 में जब उत्तर प्रदेश में बीजेपी का 'लोक कल्याण संकल्प पत्र' तैयार हो रहा था, तब तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह ने कहा था कि यूपी की असली ताकत उसका पारंपरिक उद्यम है। जिस दिन यूपी अपने इस हुनर को पहचान जाएगा, उसे मैन्युफैक्चरिंग हब बनने से कोई नहीं रोक सकेगा। इसी सोच के तहत राज्य सरकार ने 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' (ODOP) और 'वन डिस्ट्रिक्ट वन कुजीन' जैसी योजनाओं के माध्यम से पारंपरिक कारीगरों को एक मजबूत ब्रांड और बाजार प्रदान किया।

मेक इन इंडिया से बदली देश की तस्वीर: अमित शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि 12 साल पहले शुरू हुआ 'मेक इन इंडिया' अभियान भारत को उत्पादन, डिजाइन और इनोवेशन का वैश्विक केंद्र बनाने की दिशा में आगे बढ़ा है। उन्होंने उत्तर प्रदेश में निवेश और औद्योगिक माहौल में आए

बदलाव का जिक्र करते हुए कहा कि पहले कानून-व्यवस्था की स्थिति के कारण निवेश सम्मेलन दिल्ली में आयोजित करना पड़ता था, जबकि अब यूपी निवेश का प्रमुख केंद्र बन रहा है।

उनके अनुसार बेहतर कानून-व्यवस्था, अनुकूल औद्योगिक नीतियां, सक्रिय सरकार और निवेशकों को सुविधाएं देने की नीति से राज्य में निवेश का माहौल मजबूत हुआ है। अमित शाह ने बताया कि पिछले ट्रेड शो में 5 लाख से अधिक लोग आए और 2,400 से ज्यादा एमओयू हुए थे। उन्होंने उम्मीद जताई कि चौथा संस्करण पिछले रिकॉर्ड तोड़ेगा और यूपी के एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को आगे बढ़ाएगा।

90 देशों के 600 से अधिक बायर्स और 1.5 लाख विजिटर्स

आपको बता दें कि इस वर्ष यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो का दायरा काफी बढ़ चुका है। पिछले साल जहां 72 देशों के 550 बायर्स शामिल हुए थे, वहीं इस बार 90 देशों के 600 से अधिक बायर्स और लगभग डेढ़ लाख बी-टू-बी (B2B) विजिटर्स भाग ले रहे हैं।

सीएम योगी ने बताया कि जापान, वियतनाम, रूस, सिंगापुर, ऑस्ट्रिया और बेलारूस जैसे देश इस ट्रेड शो में पार्टनर कंट्री के रूप में शामिल हुए हैं। इनके विशेष पवेलियन द्विपक्षीय व्यापार, टेक्नोलॉजी ट्रांसफर और स्ट्रेटजिक पार्टनरशिप को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे।

संभागायुक्त ने शासकीय मेडिकल कॉलेज कवर्धा का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

नवीन मेडिकल कॉलेज भवन का निर्माण निर्धारित समयावधि में गुणवत्तायुक्त ढंग से सुनिश्चित कराने के दिए निर्देश

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। संभागायुक्त श्री एस.एन. राठौर ने आज शासकीय मेडिकल कॉलेज कवर्धा का निरीक्षण कर वहां का व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस मौके पर उन्होंने शासकीय मेडिकल कॉलेज के अकादमिक एवं प्रशासनिक भवन के विभिन्न कक्षों का अवलोकन कर क्रियाकलापों की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने मौके पर उपस्थित अधिकारियों से जिला मुख्यालय कबीरधाम के नए बस स्टैड के पास घोठिया में निर्माणाधीन नवीन मेडिकल कॉलेज भवन के निर्माण कार्य के प्रगति के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्धारित समयावधि में गुणवत्तायुक्त ढंग से नवीन मेडिकल कॉलेज भवन का निर्माण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। संभागायुक्त ने मेडिकल कॉलेज के डीन एवं अधिकारियों से शासकीय मेडिकल कॉलेज के छात्रावासों में विद्यार्थियों की शिफ्टिंग के संबंध में जानकारी ली। अधिकारियों ने कन्या छात्रावास में छात्राओं के शिफ्ट होने की जानकारी दी। इस दौरान कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति, जिला पंचायत के सीईओ श्री अभिषेक अग्रवाल, मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. प्रतिभा जैन, अनुविभागीय अधिकारी श्री चेतन साहू सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

संभागायुक्त ने निर्माण कार्य की नियमित निगरानी करने तथा निर्माण से जुड़े विभिन्न कार्यों को आपसी समन्वय के साथ आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की तकनीकी या प्रशासनिक समस्या सामने आने पर उसका समय पर निराकरण किया जाए, ताकि कार्य की गति प्रभावित न

हो। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से निर्माण कार्य की प्रगति की नियमित समीक्षा करने और निर्धारित समय-सीमा के अनुरूप कार्य पूर्ण कराने पर विशेष ध्यान देने को कहा। इस दौरान संभागायुक्त ने शासकीय मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. प्रतिभा जैन एवं संबंधित अधिकारियों से मेडिकल कॉलेज के छात्रावासों में विद्यार्थियों की शिफ्टिंग के संबंध में भी जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि कन्या छात्रावास में छात्राओं की शिफ्टिंग का कार्य किया जा चुका है। संभागायुक्त ने छात्रावासों में विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं, आवासीय व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी लेते हुए विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

संभागायुक्त ने मेडिकल कॉलेज की वर्तमान व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए शैक्षणिक गतिविधियों के सुचारू संचालन तथा विद्यार्थियों के लिए अनुकूल वातावरण बनाए रखने पर भी जोर दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कहा कि मेडिकल कॉलेज में उपलब्ध संसाधनों एवं सुविधाओं का बेहतर उपयोग सुनिश्चित किया जाए और विद्यार्थियों तथा चिकित्सा शिक्षा से जुड़ी आवश्यकताओं के अनुरूप व्यवस्थाओं को लगातार बेहतर किया जाए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने संभागायुक्त को जिले में मेडिकल कॉलेज से संबंधित व्यवस्थाओं एवं निर्माणाधीन नवीन भवन की प्रगति के संबंध में जानकारी दी। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिषेक अग्रवाल एवं मेडिकल कॉलेज के अधिकारियों ने भी कॉलेज की विभिन्न व्यवस्थाओं और प्रगति से अवगत कराया।

संभागायुक्त श्री एस.एन. राठौर एवं कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने शासकीय मेडिकल कॉलेज परिसर में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई रंगोली का अवलोकन किया। विद्यार्थियों ने रंगोली के माध्यम से सेवा, स्वच्छता, जनभागीदारी एवं राष्ट्र निर्माण की भावना को रचनात्मक रूप में प्रस्तुत किया। संभागायुक्त एवं कलेक्टर ने विद्यार्थियों की रचनात्मक पहल और उत्साह की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियों से विद्यार्थियों में सामाजिक सहभागिता, सेवा भावना एवं रचनात्मकता को बढ़ावा मिलता है। इस दौरान मेडिकल कॉलेज के अधिकारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

लोरमी में निकली गणेश विसर्जन की भव्य झांकी
उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने किया स्वागत

लोरमी (दैनंदिनी ब्यूरो)। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने गुरुवार को लोरमी के मुंगेली चौक में आयोजित गणेश विसर्जन झांकी प्रतियोगिता में विभिन्न गणेश समितियों की झांकियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। उन्होंने झांकी में शामिल समितियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस दौरान झांकियों के माध्यम से बस्तर में नक्सल उन्मूलन और विकास की तस्वीर को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। साथ ही नशा मुक्ति का संदेश भी दिया गया।

गौरतलब है कि, उप मुख्यमंत्री श्री साव की पहल पर लोरमी नगर में युवाओं को भारतीय संस्कृति और अध्यात्म से जोड़ने के उद्देश्य से गणेश विसर्जन झांकी निकालने की परंपरा शुरू की गई है। लगातार दूसरे वर्ष आयोजित इस प्रतियोगिता में युवाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

युवाओं ने आकर्षक झांकियों के माध्यम से धार्मिक, सांस्कृतिक भावनाओं एवं सामाजिक बदलाव लाने के प्रयास को सुंदर रूप में प्रस्तुत किया गया। इसमें गणेश समितियों की रचनात्मकता और उत्साह दिखाई दिया। पूरे आयोजन में श्रद्धा और भक्ति का माहौल बना रहा।

गणेश विसर्जन झांकी को देखने के लिए पूरा लोरमी नगर उमड़ पड़ा। बड़ी संख्या में नगरवासियों ने झांकियों का उत्साहपूर्वक स्वागत किया। भक्ति, संस्कृति और उल्लास से भरी इस झांकी ने लोरमी में गणेशोत्सव की भव्यता को बढ़ाया।

डॉ.पलक ने 10 बच्चों को बी फार्मा में नि:शुल्क पढ़ाने की घोषणा की

लोरमी (दैनंदिनी ब्यूरो)। विश्व फार्मासिस्ट दिवस के अवसर पर मेडिकल टीम लोरमी द्वारा भव्य कार्यक्रम का आयोजन आरोग्यम सर्जिकल क्लिनिक लोर मी में किया गया।कार्यक्रम की शुरुआत भगवान धनवंतरी की प्रतिमा के समक्ष सभी अतिथियों द्वारा दीप प्रज्जवलन कर की गई। कार्यक्रम में

जी टी बी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन व नेशनल कॉलेज ऑफ फार्मेसी की डायरेक्टर डॉ. पलक जायसवाल मुख्य अतिथि रहीं। डॉक्टर पलक जायसवाल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुवे कहा कि "फार्मासिस्ट के बिना अच्छे स्वास्थ्य की कल्पना करना अधूरी है। कोरोना काल में जब सब घर में थे, तब फार्मासिस्ट ने अपनी जान जोखिम में डालकर समाज की सेवा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे बीएमओ डॉक्टर जी एस दाउ ने भी संबोधित करते हुए कहा कि बिना फार्मासिस्ट के कोई अस्पताल पूरा नहीं होता, उन्होंने स्टोर दवा रखने के मैनजमेंट और अपने अन्य अनुभवों को साझा किया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि, के रूप में उपस्थित डॉ. रूपेश साहू ने फार्मासिस्टों को संबोधित करते हुए कहा कि फार्मासिस्ट सिर्फ दवा वितरक नहीं, बल्कि मरीज और डॉक्टर के बीच भरोसे की कड़ी है। "फार्मेसी सिर्फ एक कोर्स नहीं, एक जिम्मेदारी है। एक गलत दवा जिंदगी ले सकती है और एक सही सलाह जिंदगी बचा सकती है। इसलिए फार्मासिस्टों को हमेशा अपडेट रहना चाहिए।

कार्यक्रम में नगर पालिका उपाध्यक्ष डॉ अशोक जायसवाल, जी बी टी ग्रुप ऑफ़ इंस्टिट्यूशन के सचिव अंकित दुबे, वरिष्ठ फार्मासिस्ट गोपाल अग्रवाल, प्रेमा अग्रवाल, इंद्रजीत कौर अतिथि रहे। मेडिकल टीम के राजेंद्र साहू, एवं संतोष साहू ने कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम का सफल संचालन अभिलाष जायसवाल एवं आभार मेडिकल टीम के अध्यक्ष मिंटू छाबड़ा ने किया। इस अवसर पर डॉ जीवन साहू, अवधेश सिंह राजपूत, सचिव मुकेश कश्यप, राजेश झरिया, तीरथ साहू, दीपक साहू, हरीश देवांगन अविश यादव अमित शिवहरे जितेंद्र साहू जितेंद्र राजपूत के साथ क्षेत्र के समस्त फार्मासिस्ट साथी गांव गांव से पहुंचे एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। साथ ही कार्यक्रम को कवरेज देने वाले मीडिया के साथियों का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम के पश्चात सभी के लिए लंच की व्यवस्था रखी गई थी। अंत में उत्कृष्ट कार्य करने वाले फार्मासिस्टों का सम्मान किया गया।

उल्लास नवभारत के तहत 27 सितंबर को होगी बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान आंकलन परीक्षा

गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। किसी व्यक्ति के लिए साक्षरता केवल अक्षरों को पहचानने या अपना नाम लिखने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आत्मविश्वास, आत्मनिर्भरता और सम्मान के साथ जीवन जीने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। साक्षर व्यक्ति दस्तावेजों को पढ़ और समझ सकता है, बैंक एवं वित्तीय सेवाओं का उपयोग कर सकता है तथा अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति अधिक जागरूक बन सकता है।

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा संचालित उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत जिले में वयस्कों को पढ़ने-लिखने के साथ जीवनोपयोगी ज्ञान एवं आवश्यक कौशल से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में 27 सितंबर 2026 को जिले में बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान आकलन परीक्षा आयोजित की जाएगी। इस परीक्षा के माध्यम से नवसाक्षरों के पढ़ने-लिखने तथा संख्या ज्ञान का आकलन किया जाएगा।

कलेक्टर एवं जिला साक्षरता मिशन के अध्यक्ष रणबीर शर्मा ने जिले के सभी नवसाक्षरों से अपील की है कि वे पूरे उत्साह और आत्मविश्वास के साथ आकलन परीक्षा में शामिल हों। उन्होंने कहा कि यह परीक्षा केवल ज्ञान का आकलन नहीं, बल्कि नवसाक्षरों की सीखने और आगे बढ़ने की यात्रा का महत्वपूर्ण पड़ाव है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों, स्वयंसेवी शिक्षकों, अधिकारियों-कर्मचारियों, विद्यार्थियों, सामाजिक संगठनों एवं नागरिकों से भी अपील की है कि वे अपने आसपास के ऐसे लोगों को साक्षरता अभियान से जोड़ने में सहयोग करें, जो अभी पढ़ना-लिखना नहीं जानते।

कलेक्टर शर्मा ने कहा कि एक व्यक्ति के साक्षर होने से उसके परिवार में जागरूकता बढ़ती है और इसका सकारात्मक प्रभाव पूरे समाज पर पड़ता है। उन्होंने जिलेवासियों से 27 सितंबर को आयोजित होने वाली आकलन परीक्षा में नवसाक्षरों की सहभागिता सुनिश्चित करने तथा 'साक्षर गरियाबंद' के संकल्प को साकार करने में सहयोग की अपील की है।

इनोवा में छिपाकर ले जा रहे थे 132 किलो गांजा, दो तस्कर गिरफ्तार

महासमुंद। पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 132 किलो गांजा बरामद किया है। बसना पुलिस और एएनटीएफ की संयुक्त टीम ने वाहन चेकिंग के दौरान इनोवा कार क्रमांक एमएच 04 जीएम 8841 को रोककर तलाशी ली। वाहन से बरामद गांजे की अनुमानित कीमत 66 लाख रुपए बताई गई है। पुलिस ने मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार, मुखबिर से सूचना मिली थी कि ओडिशा की ओर से एक संदिग्ध इनोवा कार गांजा लेकर बसना क्षेत्र से गुजरने वाली है। सूचना मिलते ही बसना पुलिस और एएनटीएफ की संयुक्त टीम ने नाकाबंदी कर वाहनों की निगरानी शुरू की। इसी दौरान संदिग्ध इनोवा कार को रोककर तलाशी ली गई, जिसमें 132 किलो गांजा बरामद हुआ।

पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वे ओडिशा के तुमुड़ीबंध, जिला कंधमाल से गांजा लेकर महाराष्ट्र के पुणे जा रहे थे। मामले में पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पकड़े गए तस्करों में गणेश बाजे (42) पिता रामदास बाजे, निवासी पिपलवंडी, थाना अनेपारा, जिला पुणे, महाराष्ट्र। विपुल भालेराव (36) पिता रामचंद्र भालेराव, निवासी कलंब, तालुका आंबेगांव, जिला पुणे, महाराष्ट्र।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 132 किलो गांजा, कीमत 66 लाख रुपए, इनोवा कार, कीमत करीब 15 लाख रुपए तथा दो मोबाइल फोन, कीमत करीब 20 हजार रुपए जब्त किए हैं। जब्त संपत्ति की कुल अनुमानित कीमत 81 लाख 20 हजार रुपए आंकी गई है।

80.400 किलो गांजा के साथ दो तस्कर गिरफ्तार, एक महिला भी शामिल

अंतरराज्यीय सीमा पर एएनटीएफ और कोमाखान पुलिस की संयुक्त टीम ने एनएच-353 स्थित ग्राम टेमरी जांच नाका पर एक कार से 80.400 किलो अवैध गांजा बरामद कर दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। जब्त गांजे की कीमत 40 लाख 20 हजार रुपए आंकी गई है। पुलिस ने गांजा, दो मोबाइल फोन और कार सहित कुल 48 लाख 40 हजार रुपए की संपत्ति जब्त की है।

पुलिस के अनुसार, एएनटीएफ और कोमाखान पुलिस को एनएच-353 ग्राम टेमरी जांच नाका पर मुखबिर से सूचना मिली कि एक महिला और पुरुष कार में ओडिशा से छत्तीसगढ़ की ओर गांजा लेकर आ रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने राजमार्ग पर नाकाबंदी कर संदिग्ध कार का इंतजार किया। कुछ देर बाद बताए गए हुलिए की कार को रोककर तलाशी ली गई।

कार की जांच में बड़ी मात्रा में गांजा बरामद हुआ।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग (छत्तीसगढ़)

दुर्ग, दिनांक 22.09.2026

(ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना)

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से ऑनलाईन निविदायें प्रपत्र "अ" में प्रतिशत दर पर दिनांक 07.10.2026 तक आमंत्रित की जाती है:-

निविदा आमंत्रण सू.क्र./ सि.क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (राशि लाख में)	आमंत्रण
329/199960	जिला जेल कबीरधाम में वॉच टॉवर का निर्माण कार्य ।	10.54	द्वितीय
330/199961	लोक निर्माण विभाग, उपसंभाग क्रं. 03 दुर्ग के अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में साधारण मरम्मत कार्य (जोनल एजेंसी)	20.00	द्वितीय
331/199962	लोक निर्माण विभाग, संभाग बालोद के अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में एम.ओ.डब्ल्यू. का कार्य (जोनल एजेंसी)	25.00	तृतीय
332/199963	लोक निर्माण विभाग, संभाग बालोद विभिन्न राज्य मार्गो जंक्शन सुधार कार्य	77.93	तृतीय
333/199964	राजनांदगांव कवर्धा पोंडी मार्ग कि.मी. 46/6 से 62 तक कुल लं. 16.60 कि.मी. में क्षतिग्रस्त भाग का सुधार कार्य (संधारण अवधि के अंतर्गत एजेन्सी के दायित्व पर मार्ग का संधारण कार्य)	25.00	तृतीय
334/199965	उपसंभाग खैरागढ के अंतर्गत विभिन्न मार्गो में इमल्शन सहित डब्ल्यू.एम.एम. एव बी.टी.पेंच रिपेयर कार्य (जोनल एजेंसी)	25.00	चतुर्थ
335/199966	खैरागढ ब्लॉक के घोंघेडबरी से चिचोला मार्ग कि.मी. 1/2 से 1/6 (100), 1/10 से 2/2,2/6 कुल लंबाई 1.00 कि.मी. में विशेष मरम्मत कार्य	11.97	पंचम

टीप:-
1. उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब portal एवं विभागीय वेबसाइट http://eproc.cgstate.gov.in से डाऊनलोड की जा सकती है ।
2. पंजीकृत डाक द्वारा कार्यालय में भेजे जाने वाले लिफाफे के ऊपर एन.आई.टी. कमांक एवं कार्य का नाम अनिवार्य रूप से अंकित किया जायें ।

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग

जी-262703548/3

एक थाना-एक सप्ताह: थाना पंडरिया में पहुंचा पुलिस अधीक्षक कार्यालय

पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र कुमार यादव ने जनप्रतिनिधियों, नागरिकों, महिलाओं एवं विद्यार्थियों से किया संवाद

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। कबीरधाम पुलिस व्यवस्था को अधिक जनसुलभ, संवेदनशील एवं उत्तरदायी बनाने तथा पुलिस और आमजन के बीच निरंतर संवाद को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक श्री जितेन्द्र कुमार यादव (IPS) द्वारा प्रारंभ की गई "एक थाना–एक सप्ताह" पहल निरंतर आगे बढ़ रही है।

इस पहल के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक प्रत्येक सप्ताह जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में स्वयं पहुंचकर संबंधित थाना को एक दिन के लिए "पुलिस अधीक्षक कार्यालय" के रूप में संचालित कर रहे हैं। पहल की शुरुआत थाना सहसपुर लोहारा से हुई, जिसके बाद थाना कुण्डा, थाना पिपरिया और अब थाना पंडरिया में पुलिस अधीक्षक द्वारा पहुंचकर स्थानीय स्तर पर पुलिसिंग की समीक्षा एवं आमजन से संवाद किया गया। थाना पंडरिया में पुलिस अधीक्षक ने सुनी जनसमस्याएं।

आज दिनांक 25.09.2026 को पुलिस अधीक्षक श्री जितेन्द्र कुमार यादव थाना पंडरिया पहुंचे। इस दौरान उन्होंने थाना क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, सम्माननीय नागरिकों, ग्रामीणों, महिलाओं, छात्र-छात्राओं एवं आमजन से सीधे संवाद कर क्षेत्र की परिस्थितियों, स्थानीय आवश्यकताओं तथा पुलिसिंग से संबंधित विषयों की जानकारी प्राप्त की।

पुलिस अधीक्षक द्वारा नागरिकों की बातों एवं सुझावों को गंभीरतापूर्वक सुना गया तथा संबंधित अधिकारियों को प्राप्त विषयों पर नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही एवं प्रभावी निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। थाना पंडरिया क्षेत्र की कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण, लंबित प्रकरणों तथा अन्य महत्वपूर्ण पुलिसिंग विषयों की पुलिस अधीक्षक द्वारा समीक्षा की गई। क्षेत्र की स्थानीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने तथा नागरिकों को संवेदनशील एवं त्वरित पुलिस सेवा उपलब्ध कराने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

महिलाओं एवं विद्यार्थियों से संवाद

पुलिस अधीक्षक ने क्षेत्र की महिलाओं एवं छात्र-छात्राओं से भी संवाद कर उनकी आवश्यकताओं एवं सुझावों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सुरक्षित एवं विश्वासपूर्ण वातावरण के निर्माण में पुलिस और समाज की सहभागिता महत्वपूर्ण है तथा नागरिकों की अपेक्षाओं के अनुरूप पुलिसिंग को निरंतर बेहतर बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। पहल के दौरान पुलिस अधीक्षक ने थाना पंडरिया में पदस्थ अधिकारी-कर्मचारियों से भी व्यक्तिगत एवं विभागीय विषयों पर संवाद किया।

संचालनालय पुरातत्व अभिलेखागार एवं संग्रहालय रायपुर, छत्तीसगढ़

दूरभाष : 0771-2537404, टेलीफैक्स 0771-2234731
ई-मेल: deptt_culture@yahoo.co.in वेब साइट: www.cgculture.in

क्रमांक 835/ अनु./स.पु. / 2026 रायपुर, दिनांक 16/9/2026

मैनुअल पद्धति निविदा सूचना

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	कार्य का नाम	ठेके की अनुमानित राशि	बयाने की राशि
1	राज्य संरक्षित स्मारक सिद्धेश्वर शिव मंदिर पलारी जिला-बलौदा बाजार में अनुरक्षण, एवं अन्य आवश्यक कार्य।	9,14,000.00	18,500.00
2	राज्य संरक्षित स्मारक सिद्धेश्वर शिव मंदिर पलारी जिला-बलौदा बजार में बाउण्ड्रीवाल-ग्रील, बैठक व्यवस्था, परिसर का रंगरोगन एवं अन्य आवश्यक रिपेयरिंग का कार्य।	9,79,600.00	20,000.00

ठेकेदार की श्रेणी-उपयुक्त श्रेणी, कार्यवधि- कार्यादेश दिनांक से 03 माह. निविदा प्रपत्र की राशि -750.00 रूपये।
01. कोरी निविदा प्रपत्र विक्रय की अंतिम तिथि 30.09.2026 शाम 5:00 बजे तक। 02. बंद निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि 08.10.2026. शाम 5:00 बजे तक।
03. निविदा खोलने की तिथि एवं समय दिनांक 09.10.2026 दोपहर 12.00 बजे।
(निर्धारित तिथि को अवकाश घोषित होने पर आगामी कार्य दिवस में निविदा प्रस्तुत एवं खोली जावेगी)
उल्लेखित कार्य कमांक-01 के लिए कार्य के लिए ठेकेदार / फर्म को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण अथवा राज्य पुरातत्व विभाग में अनुरक्षण कार्य के लिए न्युनतम 03 वर्षों का अनुरक्षण कार्य का अनुभव होना आवश्यक है, निविदा फार्म कय करने हेतु अनुभव प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा अन्यथा निविदा प्रपत्र जारी नही किया जावेगा।
अमानत राशि एफ.डी.आर. / बैंक ड्राफ्ट 3 वर्ष का जो कि संचालक, पुरातत्व अभिलेखागर एवं संग्रहालय, महंत घासीदास स्मारक संग्रहालय परिसर सिविल लाईन रायपुर छ.ग. के नाम से बनवाना होगा।
निविदा के सामान्य शर्तें विस्तृत निविदा विज्ञप्ति एवं निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय में उपस्थित होकर या विभागीय वेबसाईट www.cgculture.in पर निविदा जारी दिनांक से देखी जा सकती है।

संचालक
पुरातत्व अभि.एवं संग्रहालय
रायपुर (छ.ग.)

जी- 262703476/2

'वंदे मातरम्' मां भारती की वंदना और राष्ट्रीय चेतना का स्वर : मुख्यमंत्री

रायपुर ■ दैनन्दिनी

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर के रोहिणीपुरम स्थित सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित सामूहिक गायन कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री साय ने विद्यालय के छात्र-छात्राओं, आचार्यों और उपस्थित नागरिकों के साथ 'वंदे मातरम्' का सामूहिक गायन किया। एक स्वर और एक लय में गूंजे 'वंदे मातरम्' से पूरा विद्यालय परिसर राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय गौरव की भावना से सराबोर हो उठा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने सरस्वती शिशु मंदिर के विकास के लिए 50 लाख रुपये प्रदान करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री श्री साय ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि 'वंदे मातरम्' केवल राष्ट्रगीत नहीं, बल्कि मां भारती की वंदना, राष्ट्रीय चेतना और देशभक्ति की भावना का सशक्त स्वर है। स्वतंत्रता संग्राम के कठिन दौर में इस गीत ने देशवासियों के भीतर स्वाधीनता की चेतना जगाई और असंख्य क्रांतिकारियों एवं स्वतंत्रता सेनानियों को मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व समर्पित करने की प्रेरणा दी। 'वंदे मातरम्' का उद्घोष स्वतंत्रता सेनानियों के लिए राष्ट्रप्रेम, साहस और संकल्प की अभिव्यक्ति बन गया था। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूर्ण होने का यह अवसर हमें अपने गौरवशाली इतिहास, स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष और उनके त्याग एवं बलिदान को स्मरण करने का अवसर देता है। इसके साथ ही यह नई पीढ़ी को राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों का बोध कराने का भी महत्वपूर्ण अवसर है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज विद्या भारती के आह्वान पर देशभर में 25 हजार से अधिक स्थानों पर एक करोड़ से अधिक विद्यार्थियों और नागरिकों द्वारा सामूहिक रूप से 'वंदे मातरम्' का गायन किया जा रहा है। इतनी बड़ी संख्या में एक साथ मां भारती की वंदना राष्ट्रीय एकता और चेतना का अद्भुत दृश्य प्रस्तुत करती है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को 'वंदे मातरम्' के गौरवशाली इतिहास और स्वतंत्रता आंदोलन में उसकी भूमिका से परिचित कराने के साथ उनके भीतर राष्ट्रप्रेम एवं कर्तव्यबोध की भावना को और मजबूत करते हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार ने शिक्षा को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में रखा है। हमारा प्रयास है कि छत्तीसगढ़ के हर बच्चे को, चाहे वह शहर में रहता हो या बस्तर-सरगुजा के किसी सुदूर अंचल में, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और अपनी प्रतिभा को निखारने के समान अवसर मिलें। इसके लिए प्रदेशभर में शैक्षणिक सुविधाओं और विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध संसाधनों का निरंतर विस्तार किया जा रहा है।उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बेहतर वातावरण उपलब्ध कराया जा रहा है। सरकार का प्रयास है कि संसाधनों के अभाव में प्रदेश के किसी भी प्रतिभाशाली बच्चे की आगे बढ़ने की राह न रुके।

शिक्षा केवल ज्ञान नहीं, चरित्र और जिम्मेदार नागरिक के निर्माण का माध्यम

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान या डिग्री प्राप्त करना नहीं है। शिक्षा ऐसी होनी चाहिए, जो ज्ञान के साथ संस्कार दे, अनुशासन सिखाए, चरित्र का निर्माण करे और बच्चों में समाज तथा राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करे। संस्कारवान और राष्ट्रभक्त युवा ही सशक्त समाज और विकसित राष्ट्र की मजबूत नींव बनते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि विद्या भारती के विद्यालय लंबे समय से शिक्षा के साथ संस्कार, अनुशासन, सामाजिक दायित्व और राष्ट्रभक्ति की भावना को मजबूत करने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों के व्यक्तित्व और भविष्य निर्माण में समर्पित सभी आचार्यों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षक केवल शिक्षा ही नहीं देते, बल्कि बच्चों के जीवन को सही दिशा देने का महत्वपूर्ण दायित्व भी निभाते हैं।

भू-अर्जन मुआवजे का ऑनलाइन भुगतान बना किसानों के लिए बड़ी सहूलियत

एक साल में 901 किसानों के खातों में डीबीटी से पहुंचे 30.34 करोड़ रुपये

रायपुर ■ दैनन्दिनी

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी के मार्गदर्शन में राज्य शासन द्वारा सुशासन, पारदर्शिता और नागरिक सुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए शासकीय सेवाओं और प्रशासनिक प्रक्रियाओं को लगातार सरल बनाया जा रहा है। इसी दिशा में रायगढ़ जिले में भू-अर्जन से प्रभावित किसानों को मुआवजा, पुनर्वास एवं बोनस की राशि सीधे उनके बैंक खातों में ऑनलाइन अंतरित करने की व्यवस्था किसानों के लिए बड़ी सहूलियत साबित हो रही है। बीते एक वर्ष में रायगढ़ अनुविभाग के 901 किसानों के बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से 30 करोड़ 34 लाख 77 हजार 902 रुपये अंतरित किए जा चुके हैं। रायगढ़ अनुविभाग में 26 सितम्बर 2025 से भू-अर्जन से संबंधित भुगतान ऑनलाइन करने की व्यवस्था लागू की गई। इसके बाद किसानों को चेक जारी करने के स्थान पर स्वीकृत राशि सीधे उनके बैंक खातों में भेजी जा रही है। 21 सितम्बर 2026 तक इस व्यवस्था के माध्यम से 901 किसानों को 30 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किया जा चुका है। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार भू-अर्जन मुआवजे के रूप में 391 किसानों के खातों में 20 करोड़ 67 लाख 53 हजार 163 रुपये अंतरित किए गए हैं। इसी तरह पुनर्वास एवं बोनस के तहत 510 किसानों को 9 करोड़ 67 लाख 24 हजार 739 रुपये का भुगतान किया गया है। इस प्रकार दोनों मदों में कुल 901 किसानों को 30 करोड़ 34 लाख 77 हजार 902 रुपये सीधे उनके बैंक खातों में प्राप्त हुए हैं। अब स्वीकृत मुआवजा, पुनर्वास एवं बोनस की राशि सीधे किसान के बैंक खाते में पहुंच रही है। इससे किसानों के समय और श्रम की बचत होने के साथ भुगतान प्रक्रिया अधिक सरल और पारदर्शी हुई है।

किसानों ने कहा—बिना परेशानी सीधे खाते में मिल रही राशि-ग्राम कोतासुरा के किसान श्री टंकधर मालाकार ने बताया कि भू-अर्जन मुआवजा वितरण की ऑनलाइन व्यवस्था किसानों के लिए काफी सुविधाजनक है। पहले की तुलना में अब मुआवजा राशि आसानी से प्राप्त हो रही है। ग्राम दनौट की श्रीमती चम्पाबाई अगरिया ने कहा कि ऑनलाइन भुगतान व्यवस्था से किसानों को काफी लाभ मिला है। अब बिना किसी परेशानी के मुआवजे की राशि सीधे बैंक खाते में प्राप्त हो रही है। ग्राम मुरालीपाली के श्री हनुमान प्रसाद शर्मा ने बताया कि पहले भू-अर्जन की राशि प्राप्त करने के लिए चेक मिलने के बाद बैंक जाना पड़ता था।

चेक से सीधे खाते तक, आसान हुई भुगतान प्रक्रिया

पूर्व में भू-अर्जन से प्रभावित किसानों को मुआवजा राशि का भुगतान चेक के माध्यम से किया जाता था। चेक प्राप्त करने के बाद किसानों को उसे बैंक में जमा कराने और भुगतान की प्रक्रिया पूरी होने का इंतजार करना पड़ता था। कई बार इसके लिए कार्यालय और बैंक के चक्कर भी लगाने पड़ते थे। ऑनलाइन व्यवस्था लागू होने के बाद किसानों को इस प्रक्रिया से राहत मिली है।

कुम्हारी ओवरब्रिज के पास जलभराव से ट्रैफिक प्रभावित
रायपुर जाने के लिए वैकल्पिक मार्ग जारी

रायपुर ■ दैनन्दिनी

दुर्ग से रायपुर जाने वाले वाहन चालकों के लिए जरूरी खबर है। रायपुर-दुर्ग नेशनल हाईवे पर कुम्हारी ओवरब्रिज के पास चंदनडीह में जलभराव के कारण यातायात प्रभावित हो गया है। वाहनों की आवाजाही धीमी होने के चलते यातायात पुलिस दुर्ग ने वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने की अपील की है। राजनांदगांव से रायपुर जाने वाले भारी वाहन अंजोरा बाईपास, पुलगांव चौक, अंडा, रिसामा, गाड़ाडीह, मर्रा, जामगांव एम, मोतीपुर, अमलेश्वर होते हुए रायपुर जा सकेंगे। बालोद से रायपुर जाने वाले भारी वाहन अंडा, रिसामा, गाड़ाडीह, मर्रा, जामगांव एम, मोतीपुर और अमलेश्वर होते हुए रायपुर पहुंचेंगे। वहीं ट्रांसपोर्ट नगर और भिलाई से रायपुर जाने वाले वाहन अहिरवारा मोड़, कुम्हारी, मुरमुंडा चौक, कोचेबंद, मलपुरी कला, भालेसर, कंडरका चौक, पथरीडी, उरला और बिरगांव होते हुए रायपुर जा सकेंगे। भिलाई स्टील प्लांट के कर्मचारियों के लिए उतई, सेलूद, फूंडा और मोतीपुर मार्ग निर्धारित किया गया है। यातायात पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की है कि रायपुर की ओर यात्रा के लिए पर्याप्त समय लेकर निकलें, निर्धारित वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें और पुलिस के डायवर्सन निर्देशों का पालन करें। साथ ही जलभराव से प्रभावित क्षेत्र में अनावश्यक प्रवेश से बचने की अपील की गई है।

महाराजबंध तालाब में श्रमदान, पांच सफाई मित्र सम्मानित

रायपुर। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर महाराजबंध तालाब परिसर में स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया। अभियान में उपमुख्यमंत्री अरुण साव, विधायक सुनील सोनी सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हुए।

विष्णु देव साय ने मदकूद्वीप के प्राचीन मंदिरों में की पूजा-अर्चना

रायपुर ■ दैनन्दिनी

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज मुंगेली जिले के पथरिया विकासखंड स्थित ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक स्थल हरिहर क्षेत्र केदार मदकूद्वीप पहुंचकर प्राचीन रामाश्रय एवं गणेश मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री ने भगवान से छत्तीसगढ़ की निरंतर प्रगति तथा प्रदेशवासियों के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने मंदिर परिसर में आयोजित कन्या पूजन में श्रद्धापूर्वक कन्याओं का पूजन कर उनका आशीर्वाद लिया। इसके पश्चात वे कन्या भोज में शामिल हुए और प्रसाद ग्रहण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सनातन संस्कृति में कन्याओं को शक्ति का स्वरूप माना गया है। कन्या पूजन हमारी समृद्ध परंपरा में मातृशक्ति के प्रति श्रद्धा, सम्मान और कृतज्ञता की अभिव्यक्ति है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की धरती प्राचीन धार्मिक परंपराओं, पुरातात्विक धरोहरों और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से परिपूर्ण है। मदकूद्वीप भी प्रदेश की ऐसी ही महत्वपूर्ण धरोहरों में शामिल है, जहां इतिहास, आस्था और प्रकृति का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। ऐसे ऐतिहासिक और आध्यात्मिक स्थल हमारी गौरवशाली विरासत से नई पीढ़ी को परिचित कराने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने पुरातत्व विभाग द्वारा स्थापित मंदिर संग्रहालय का भी अवलोकन किया। उन्होंने संग्रहालय में संरक्षित पुरातात्विक धरोहरों एवं ऐतिहासिक अवशेषों के संबंध में जानकारी ली और मदकूद्वीप के ऐतिहासिक, पुरातात्विक एवं आध्यात्मिक महत्व से रूबरू हुए। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की प्राचीन विरासत और सांस्कृतिक पहचान का संरक्षण एवं संवर्धन अत्यंत महत्वपूर्ण है। हमारी ऐतिहासिक और धार्मिक धरोहरें केवल अतीत की स्मृतियां नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने वाली अमूल्य निधि हैं। इस अवसर पर केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्यमंत्री श्री तोखन साहू, उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव, पूर्व राज्यपाल श्री रमेश बैस, खाद्य मंत्री श्री दयाल दास बघेल, उद्योग मंत्री श्री लखन लाल देवांगन, विधायक श्री धरमलाल कौशिक, विधायक श्री अमर अग्रवाल, विधायक श्री सुशांत शुक्ला एवं विधायक श्री पुन्नू लाल मोहले, क्रेडा के अध्यक्ष श्री भूपेंद्र सवन्नी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

फूल लेकर आए नन्हें कदम, उप मुख्यमंत्री ने बच्चों को गोद में उठाया, बच्चों की मासूमियत ने जीता दिल

दरीपारा कवर्धा के आंगनबाड़ी केंद्र में 'आंगन मिलन सेवा' में बच्चों से घुले-मिले उप मुख्यमंत्री

रायपुर ■ दैनन्दिनी

आंगनबाड़ी केंद्र में जब दो-तीन साल के नन्हे बच्चे फूल लेकर उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के स्वागत के लिए आगे बढ़े, तो माहौल में सहज अपनापन दिखाई दिया। किसी बच्चे के हाथ में फूल था तो किसी के हाथ में अपनी बनाई हुई चित्रकारी। बच्चों ने मासूमियत से उप मुख्यमंत्री को फूल भेंट किए। श्री शर्मा भी बच्चों के बीच पहुंचे और उनके साथ ऐसे घुल-मिल गए, जैसे परिवार के किसी बड़े के साथ बच्चे सहज होकर बातें करते हैं। उन्होंने बच्चों को गोद में उठाया, उनसे बातचीत की, तस्वीरें खिंचवाईं और उन्हें खिलौने व चॉकलेट भेंट किए। सेवा संकल्प अभियान के तहत कबीरधाम जिले के जिला मुख्यालय कवर्धा के आंगनबाड़ी केंद्र दरीपारा में आयोजित 'आंगन मिलन सेवा' कार्यक्रम का शुभारंभ उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने किया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों और महिलाओं के बीच पहुंचे उप मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां आकर बिल्कुल घर जैसा माहौल महसूस हो रहा है। बच्चों की मासूमियत और उनका उत्साह देखकर मन प्रसन्न हो गया।

बच्चों द्वारा बनाई गई चित्रकारी ने उप मुख्यमंत्री का विशेष ध्यान खींचा। नन्हे हाथों से बनाए गए चित्रों को देखकर उन्होंने बच्चों की रचनात्मकता की सराहना की। उन्होंने कहा कि आज के बच्चे छोटी उम्र में ही कितनी अच्छी तरह सोचकर चित्र बना रहे हैं। एक बच्चे द्वारा सैनिक, भगवान शंकर और तिरंगे से जुड़ा चित्र बनाए जाने का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि बच्चे ने जिस तरह अपने विचार को चित्र के माध्यम से व्यक्त किया, वह बहुत बड़ी बात है। बच्चों की चित्रकारी को देखते हुए उप मुख्यमंत्री ने अपने बचपन को भी याद किया। उन्होंने कहा कि बच्चों को इस उम्र में इस तरह अपनी सोच को चित्रों के माध्यम से व्यक्त करते देखकर बहुत अच्छा लगा। उन्होंने बच्चों, माताओं-बहनों, अभिभावकों और महिला एवं बाल विकास विभाग को शुभकामनाएं दीं।

माताओं के हाथों में आई राशि से बेटियों का भविष्य संवर रहा

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कार्यक्रम में 'महतारी वंदन योजना' की राशि के उपयोग की जानकारी ली। महिलाओं ने बताया कि वे योजना से मिलने वाली राशि को अपनी बेटियों के भविष्य के लिए 'सुकन्या समृद्धि योजना', 'नोनी सुरक्षा योजना' सहित अन्य जरूरतों में उपयोग कर रही हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि माताओं के हाथ में राशि पहुंचती है तो उसका सदुपयोग ही होता है। कई माताएं इस राशि को अपनी बेटियों के भविष्य के लिए जमा कर रही हैं, तो कुछ परिवार की जरूरतों में इसका उपयोग कर रही हैं। यह इस बात का उदाहरण है कि महिलाओं के हाथ में पहुंची आर्थिक सहायता परिवार के भविष्य को मजबूत करने में उपयोगी साबित हो रही है।

बच्चों की मुस्कान और महिलाओं की प्रतिभा बनी कार्यक्रम की पहचान

कार्यक्रम में बच्चों के लिए चित्रकला तथा महिलाओं के लिए रंगोली, मेहंदी और पारंपरिक व्यंजन प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। महिलाओं ने उत्साह के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उप मुख्यमंत्री ने रंगोली, मेहंदी और पारंपरिक व्यंजनों की प्रदर्शनी का अवलोकन कर महिलाओं का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाली आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं तथा 'महतारी वंदन योजना' की राशि का उपयोग उपयोगी कार्यों और भविष्य की योजनाओं में करने वाली माताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। लाभार्थी लक्ष्मी साहू और नंद रानी साहू ने योजना से मिले सहयोग के अपने अनुभव साझा किए।

खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में धान खरीदी व्यवस्था समय पर हो पूरा: खाद्य मंत्री बघेल

रायपुर ■ दैनन्दिनी

आगामी खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए राज्य शासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री दयाल दास बघेल की अध्यक्षता में गुरूवार 24 सितंबर को आयोजित मंत्रिमंडलीय उप समिति की बैठक में धान खरीदी एवं कस्टम मिलिंग से जुड़ी तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में किसानों की सुविधा, धान उपार्जन केंद्रों की व्यवस्था, जूट बारदानों की उपलब्धता तथा कस्टम मिलिंग के चावल जमा करने की प्रगति पर की गई। बैठक में कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री श्री रामविचार नेताम, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल तथा वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी शामिल हुए। मंत्रिमंडलीय उप समिति ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि धान खरीदी प्रारंभ होने से पहले सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समयबद्ध रूप से पूरी कर ली जाएं, ताकि किसानों को धान बेचने में किसी प्रकार की असुविधा न हो। बैठक में बताया गया कि खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्रदेश में 360 नवीन धान खरीदी केंद्र खोले गए हैं। इन नए केंद्रों में धान खरीदी से संबंधित सभी आवश्यक तैयारियां समय रहते पूर्ण करने के निर्देश

दिए गए। मंत्रिमंडलीय उप समिति ने नवीन खरीदी केंद्रों में धान उपार्जन के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सभी जरूरी संसाधनों एवं व्यवस्थाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उप समिति ने कहा कि धान खरीदी की पूरी प्रक्रिया किसान-केंद्रित हो तथा खरीदी केंद्रों पर किसानों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। धान उपार्जन के लिए बारदानों की उपलब्धता की समीक्षा करते हुए मंत्रिमंडलीय उप समिति ने आवश्यक नए एवं पुराने जूट बारदानों की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि विपणन संघ द्वारा जूट कमिश्नर, कोलकाता के माध्यम से 3.64 लाख गठान नए जूट बारदानों की व्यवस्था की जा रही है। अब तक विपणन संघ को 1.14 लाख गठान नए जूट बारदाने प्राप्त हो चुके हैं। उप समिति ने शेष आवश्यक बारदानों की उपलब्धता भी समयबद्ध रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि धान खरीदी के दौरान बारदानों की कमी के कारण उपार्जन व्यवस्था प्रभावित न हो। बैठक में खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत कस्टम मिलिंग की स्थिति की भी विस्तृत समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बताया कि कस्टम मिलिंग के अंतर्गत कुल 89 लाख टन चावल जमा करने का लक्ष्य है। इसमें से अब तक 37.50 लाख टन चावल जमा किया जा चुका है, जबकि मिलरों द्वारा 51.50 लाख टन चावल जमा किया जाना शेष है। कस्टम मिलिंग का चावल जमा करने के लिए 31 मार्च 2027 तक की समय-सीमा निर्धारित है। मंत्रिमंडलीय उप समिति ने शेष चावल की मात्रा को देखते हुए कस्टम मिलिंग एवं चावल जमा करने की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए। संबंधित अधिकारियों से इसकी नियमित समीक्षा करने तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर चावल जमा कराना सुनिश्चित करने को कहा गया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **ब्रजेश शुक्ला** द्वारा नगर निगम कार्यालय के पीछे, मुकुटनगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं आसमां पब्लिशर्स जयस्तंभ चौक रायपुर से मुद्रित। **संपादक- ब्रजेश शुक्ला,** RNI-CHHHIN/2010/34274, फोन-0771-4059450, ई-मेल-mail2dainandini@gmail.com